Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रुड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबन्द में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874
नये भारत की नई सोच

वर्षः 07 अंकः 143 | मंगलवार, 02 जून-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

वार्ड 25 के घरों में गंदा पानी

लोगों का फूटा आक्रोश, प्रशासन से तत्काल समाधान की मांग

गंदा पानी-1

गंदा पानी-2

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। विधानसभा क्षेत्र 56 के विजय नगर स्थित वार्ड संख्या 25 में पिछले चार-पांच महीनों से गंदे पानी की आपूर्ति को लेकर क्षेत्रवासियों में भारी नाराजगी है। लगातार दूषित पानी आने से लोगों को रोजमर्रा के कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

वार्ड 25 के पार्षद कन्हैया लाल ने क्षेत्र की समस्या को गंभीर बताते हुए नगर निगम प्रशासन से तत्काल समाधान की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो क्षेत्र की जनता के साथ नगर निगम कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। उनका कहना है कि अधिकारी निरीक्षण के लिए आते हैं, लेकिन आश्वासन देकर लौट जाते हैं। दूषित पानी के कारण लोगों को पीने के पानी के साथ-साथ खाना बनाने, नहाने और अन्य घरेलू कार्यों में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।क्षेत्रवासियों ने नगर निगम से जलापूर्ति व्यवस्था की जांच कर शीघ्र सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो जनआंदोलन शुरू किया जाएगा। वार्ड 25 में गंदे पानी की लगातार बनी समस्या को लेकर जनता में रोष बढ़ता जा रहा है और प्रशासनिक कार्रवाई की मांग तेज हो गई है।

सीजेपी प्रमुख अभिजीत दिपके 6 जून को आएंगे भारत, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के लिए जंतर-मंतर पर करेंगे प्रदर्शन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

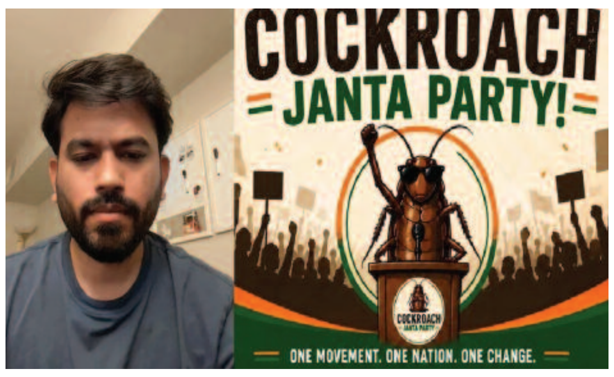

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने सोमवार को ऐलान किया है कि वे 6 जून को भारत लौटेंगे। वे नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करेंगे, जिसमें शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की जाएगी। सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हो चुके इस व्यंग्यात्मक राजनीतिक संगठन की शुरूआत करने के बाद, दिपके की यह पहली भारत यात्रा होगी।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए कहा, 'नमस्कार दोस्तों, मैंने भारत वापस आने का फैसला किया है। हां, मैं अपने देश, अपने घर भारत वापस आ रहा हूं, ताकि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर सकूं।' उन्होंने आगे कहा कि अब समय आ गया है कि सभी लोग संविधान के रास्ते पर चलते हुए एक साथ आएं और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज उठाएं।

NEET पेपर लीक विवाद और हाल ही में आए CBSE परीक्षा परिणामों का हवाला देते हुए दिपके ने आरोप लगाया कि इस व्यवस्था ने 1 करोड़ से भी ज्यादा छात्रों के भविष्य को संकट में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि आज NEET के 22 लाख, उइरए के 17 लाख, CUET के 16 लाख और SSCGD के 40 लाख छात्रों के जीवन का इस सिस्टम ने मजाक बना दिया है। छात्र अपने भविष्य को लेकर परेशान हैं और किसी न किसी को तो इसकी जिम्मेदारी लेनी ही होगी।

दिपके ने देश के छात्रों और युवाओं से सरकार से जवाबदेही मांगने के संवैधानिक अधिकार का इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी लापरवाही के बाद भी अगर शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं देते हैं, तो इसका मतलब है कि देश में कोई जवाबदेही नहीं बची है। ऐसा लगता है कि सिस्टम की गलतियों की सारी सजा सिर्फ छात्रों को ही भुगतनी पड़ती है।

अपनी योजना के बारे में बताते हुए दीपके ने कहा कि वे 6 जून, शनिवार की सुबह दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचेंगे। उन्होंने अपने समर्थकों से एयरपोर्ट आने की अपील की है, जहां से वे सब मिलकर पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन जाएंगे और जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की अनुमति मांगेंगे। उन्होंने साफ किया कि यह आंदोलन पूरी तरह अहिंसक और लोकतांत्रिक रहेगा, क्योंकि भारत का संविधान हमें गलत कामों के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से आवाज उठाने का अधिकार देता है।

सुप्रीम कोर्ट में ऐतिहासिक नियुक्तिः 5 नए न्यायाधीशों के नाम पर मुहर, जजों की संख्या बढ़कर हुई 37

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत (सुप्रीम कोर्ट) के बुनियादी ढांचे और न्याय प्रक्रिया को गति देने के लिए सोमवार को एक बेहद बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया गया। राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट में पांच नए न्यायाधीशों (जजों) की नियुक्ति की अलग-अलग आधिकारिक अधिसूचनाएं जारी कर दी हैं।

इन पांचों नए जजों के शपथ लेने और पदभार ग्रहण करने के बाद उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की कुल संख्या औपचारिक रूप से बढ़कर 37 हो जाएगी। यह संख्या देश में हाल ही में बढ़ाई गई जजों की कुल स्वीकृत संख्या (38) से अब महज एक कम रह जाएगी। केंद्रीय विधि मंत्रालय के न्याय विभाग द्वारा सोमवार सुबह जारी अलग-अलग अधिसूचनाओं के अनुसार, उच्चतम न्यायालय की वरिष्ठ अधिवक्ता वेंकिता सुब्रमणि मोहना, बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अरुण पल्ली को शीर्ष अदालत का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। उनके शपथ लेने और पदभार ग्रहण करने के बाद उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या औपचारिक रूप से 37 हो जाएगी।

पीएम स्वनिधि ने जोड़े 55 लाख डिजिटल स्ट्रीट वेंडर्स, 6 साल में बदली 75 लाख से ज्यादा लोगों की जिंदगी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सोमवार को प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि योजना की छठी वर्षगांठ के अवसर पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्ट्रीट वेंडरों को औपचारिक वित्तीय व्यवस्था में शामिल करने में कार्यक्रम की सफलता पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह योजना 'विश्वास, सम्मान और सशक्तिकरण' पर आधारित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने फेसबुक अकाउंट पर एक पोस्ट में बताया कि कैसे इस पहल ने किफायती और 'बिना गारंटी वाले ऋण' की सुविधा देकर अनगिनत स्ट्रीट वेंडरों को सशक्त बनाया है।

प्रधानमंत्री ने लिखा कि आज हम 6Years of PMSVANidhi मना रहे हैं, एक ऐसी योजना जिसने बिना गारंटी वाले ऋण, वित्तीय समावेशन और विकास के नए अवसर प्रदान करके अनगिनत स्ट्रीट वेंडरों के जीवन को बदल दिया है।

पोस्ट में आगे लिखा था कि यह योजना विश्वास, सम्मान और सशक्तिकरण पर आधारित है। सभी लाभार्थियों को मेरी शुभकामनाएं, जिनकी दृढ़ता और उद्यमशीलता हमारे देश की अर्थव्यवस्था को लगातार मजबूत कर रही है। इस बीच, एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पीएम स्वनिधि भारत की अनौपचारिक शहरी अर्थव्यवस्था में कार्यरत विक्रेताओं को सहायता प्रदान करने वाली एक प्रमुख पहल के रूप में उभरी है।

बिना गारंटी के ऋण उपलब्ध कराने के अलावा, इस योजना ने डिजिटलीकरण को बढ़ावा दिया है, संस्थागत ऋण तक पहुंच में सुधार किया है और सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार किया है। 2020 में शुरू होने के बाद से अब तक 1.12 करोड़ से अधिक ऋण वितरित किए जा चुके हैं। इस पहल से शहरों और कस्बों में 75 लाख से अधिक लाभार्थियों को लाभ मिला है। योजना के तहत 17,800 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण प्रदान किए गए हैं। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इसका प्रभाव न केवल आधिकारिक आंकड़ों में बल्कि विक्रेताओं के दैनिक जीवन में भी दिखाई देता है, जो मजबूत और अधिक टिकाऊ आजीविका का निर्माण कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में, इस योजना ने देशभर के शहरों और कस्बों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। 75.5 लाख से अधिक लाभार्थियों ने 17,800 करोड़ रुपये से अधिक के 1.12 करोड़ से अधिक ऋण का लाभ उठाया है। योजना के तहत 55 लाख से अधिक लाभार्थियों को डिजिटल रूप से जोड़ा गया है।

सूर्या चौहान मर्डर केस में असद एनकाउंटर के बाद अब उसके घर पर बुलडोजर एक्शन की तैयारी

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद के खोड़ा क्षेत्र में सूर्या चौहान हत्याकांड ने जिस तरह पूरे प्रदेश को झकझोर दिया था, उसी तरह इस मामले के मुख्य आरोपी असद के पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने के बाद अब यह प्रकरण कानून, राजनीति और प्रशासनिक कार्रवाई के केंद्र में आ गया है। रविवार तड़के खोड़ा और इंदिरापुरम पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में असद ढेर हो गया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पुलिस टीम को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में हुई कार्रवाई में वह गंभीर रूप से घायल हुआ और बाद में अस्पताल में उसकी मौत हो गई। मुठभेड़ के दौरान करीब सात राउंड गोलियां चलीं और एक सिपाही भी घायल हुआ। सूर्या चौहान की निर्मम हत्या के बाद जहां पीड़ित परिवार न्याय की मांग कर रहा था, वहीं असद के मारे जाने को लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी और विभिन्न हिंदू संगठनों ने इसे अपराध के खिलाफ कठोर कार्रवाई बताते हुए उचित ठहराया है। दूसरी ओर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के कुछ नेताओं ने मुठभेड़ पर सवाल उठाए हैं। इस बीच जांच में एक के बाद एक चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं।

सीबीएसई मार्किंग विवादः 'अक्षमता की मिसाल हैं मंत्री प्रधान', कांग्रेस की मांग- राजधर्म निभाते हुए इस्तीफा दें

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सीबीएसई के ऑन-स्क्रीन मार्किंग (OSM) सिस्टम से जुड़े विवाद को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी ने आरोप लगाया कि शिक्षा मंत्रालय की लापरवाही और अनियमितताओं के कारण लाखों छात्रों को मानसिक परेशानी झेलनी पड़ी है और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को राजधर्म निभाते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर कहा कि कई सप्ताह तक साइबर सुरक्षा खामियों से इनकार करने के बाद सीबीएसई ने आखिरकार स्वीकार कर लिया है कि उसका डरट सिस्टम प्रभावित हुआ है। जयराम रमेश ने सवाल उठाया कि इस मामले में ठेका प्राप्त कंपनी COEMPT के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी? जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि सीबीएसई ने अगस्त 2025 की निविदा शर्तों में अयोग्य कंपनियों को ब्लैकलिस्ट करने का अधिकार रखा था, लेकिन बाद में संशोधन कर यह प्रावधान हटा दिया गया। उन्होंने इसे कंपनी को बचाने की कोशिश करार दिया। कांग्रेस नेता ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधते हुए कहा कि वह अहंकार और अयोग्यता की मिसाल बन गए हैं तथा उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। इससे पहले राहुल गांधी ने भी सीबीएसई की पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया और उससे उससे जुड़े शुल्क को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की थी। उन्होंने कहा कि जब शिक्षा को सेवा नहीं बल्कि कारोबार की तरह देखा जाता है, तो गलतियां सुधरने के बजाय बढ़ती जाती हैं। दरअसल, सीबीएसई के कक्षा 12 के कई छात्रों ने शिकायत की थी कि पुनर्मूल्यांकन के लिए पोर्टल पर अपलोड की गई उत्तर पुस्तिकाएं उनकी नहीं थीं। बाद में सीबीएसई ने संबंधित छात्रों से संपर्क कर उनकी सही उत्तर पुस्तिकाएं उपलब्ध कराईं। इस मामले की जांच के लिए आईआईटी मद्रास, आईआईटी कानपुर और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। साथ ही पोर्टल और पेमेंट गेटवे सिस्टम को और मजबूत बनाने पर काम चल रहा है। विवाद के केंद्र में रही कंपनी COEMPT को लेकर भी विपक्ष सवाल उठा रहा है।

तमिलनाडु में नई पार्टी बनाएंगे अन्नामलाई? चेन्नई से दिल्ली के लिए रवाना, बोले- दो दिन में करेंगे बात

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु BJP के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई चेन्नई से दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। अन्नामलाई के राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलें चल रही हैं कि वे नई पार्टी बनाने जा रहे हैं। अन्नामलाई के नई पार्टी बनाने की इन अटकलों को और हवा तब मिली, जब उनसे पूछा गया कि क्या आप नई पार्टी बनाने जा रहे हैं, तब अन्नामलाई ने इन खबरों को खारिज नहीं किया। अन्नामलाई ने कहा, 'कृपया इंतजार करें। हम दो दिनों में बैठकर बात करेंगे।' पूर्व IPS अधिकारी अन्नामलाई 2020 में BJP में शामिल हुए थे और इन्होंने 2021 से 2025 तक पार्टी के तमिलनाडु अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। अपने कार्यकाल के दौरान, वह राज्य में पार्टी के सबसे प्रमुख चेहरों में से एक बनकर उभरे। उन्होंने पूरे राज्य में अभियान चलाए और युवाओं तथा सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के बीच काफी समर्थन हासिल किया। BJP नेतृत्व के साथ बढ़ते मतभेदों की खबरों के बीच अन्नामलाई की तरफ से यह बयान तब सामने आया है, जब तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के बाद ये कयास लग रहे हैं कि वे एक नया राजनीतिक रास्ता अपना सकते हैं। अन्नामलाई के जन्मदिन से पहले कोयंबटूर में उनके समर्थकों ने विशाल पोस्टर लगा दिए हैं।

संपादक की कलम से

क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता कोरा बुलबुला है या वास्तविक चुनौती?

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसी क्रांतियां हुई हैं जिन्होंने जीवन की दिशा और दशा दोनों को बदल दिया। कृषि क्रांति ने मनुष्य को स्थायित्व दिया, औद्योगिक क्रांति ने उत्पादन और श्रम की परिभाषा बदली, सूचना क्रांति ने ज्ञान और संचार की सीमाएं समाप्त कर दीं। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की क्रांति मानव इतिहास के एक नए मोड़ पर खड़ी है। यह केवल एक तकनीकी परिवर्तन नहीं है, बल्कि मनुष्य की बुद्धि, निर्णय क्षमता, रोजगार, सामाजिक संरचना, शासन व्यवस्था और यहां तक कि उसके अस्तित्व और अस्मिता से जुड़ा प्रश्न बन चुकी है। यही कारण है कि आज विश्वभर में यह बहस तेज हो रही है कि क्या एआई मानव जीवन के लिए वरदान सिद्ध होगी या वह धीरे-धीरे मनुष्य के महत्व को ही चुनौती देने लगेगी।

ललित शर्मा
संपादक

कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल मशीनों को चलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह उन कार्यों को भी करने लगी है जिन्हें लंबे समय तक केवल मनुष्य की विशिष्ट क्षमता माना जाता था। लेखन, चित्र निर्माण, संगीत रचना, रोगों का निदान, न्यायिक विश्लेषण, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रशासनिक निर्णय जैसे क्षेत्रों में इसकी बढ़ती उपस्थिति ने अनेक नए प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि मशीनें सोचने, सीखने और निर्णय लेने लगेंगी तो मनुष्य की विशिष्टता क्या रह जाएगी? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और नैतिक भी है। मानव अस्मिता का आधार उसकी चेतना, संवेदना, रचनात्मकता और नैतिक विवेक है। एआई के पास विशाल सूचनाओं का भंडार और तीव्र गणनात्मक क्षमता अवश्य है, लेकिन उसके पास अनुभवजन्य चेतना, करुणा, आत्मबोध और मूल्यबोध नहीं है। फिर भी जब मशीनें कविता लिखती हैं, चित्र बनाती हैं और संवाद करती हैं, तब यह भ्रम उत्पन्न होने लगता है कि वे मनुष्य का स्थान ले सकती हैं। वास्तव में चुनौती यह नहीं है कि मशीनें मनुष्य बन जाएंगी, बल्कि यह है कि कहीं मनुष्य स्वयं मशीनों की तरह व्यवहार करने न लगे। यदि जीवन का प्रत्येक निर्णय गणनात्मक दक्षता और आंकड़ों के आधार पर होने लगे, तो मानवीय संवेदनाएं और नैतिक मूल्य हाशिये पर जा सकते हैं। इसी संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उभरता है कि क्या भविष्य में एक नई मानव संरचना का निर्माण होगा? विश्व के अनेक वैज्ञानिक और तकनीकी चिंतक यह मानते हैं कि आने वाले दशकों में जैविक मनुष्य और डिजिटल तकनीक के बीच की दूरी लगातार कम होगी। मस्तिष्क और कंप्यूटर के प्रत्यक्ष संपर्क, कृत्रिम अंगों, स्मृति-विस्तार तकनीकों और जैव-तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से एक ऐसे युग की कल्पना की जा रही है जहां मनुष्य और मशीन का सम्मिलित स्वरूप विकसित हो सकता है। यह संभावना जितनी आकर्षक दिखाई देती है, उतनी ही चिंताजनक भी है। यदि तकनीकी रूप से उन्नत मनुष्य और सामान्य मनुष्य के बीच गहरी खाई बन गई तो सामाजिक असमानता का एक नया रूप सामने आ सकता है। एआई के बढ़ते प्रभाव के साथ रोजगार और अर्थव्यवस्था में भी व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। अनेक क्षेत्रों में नियमित और दोहराव वाले कार्य मशीनों द्वारा किए जाने लगे हैं। इससे यह आशंका उत्पन्न हुई कि बड़ी संख्या में रोजगार समाप्त हो जाएंगे। विश्व की कई बड़ी तकनीकी कंपनियों ने लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के नाम पर कर्मचारियों की संख्या घटाई है। किंतु हाल के अनुभव यह भी बताते हैं कि एआई मानव श्रम का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकी है। जटिल निर्णय, नवाचार, मानवीय संबंधों का प्रबंधन और परिस्थितिजन्य विवेक जैसे क्षेत्रों में मनुष्य की भूमिका अभी भी केंद्रीय बनी हुई है।

आह।

उदय किशोर साह

कविता

दिल से जब निकलती गरीबों की आह
बैरी हो जाता है एक दिन खुद तबाह
लाख पूजा पाठ कर लो तुम नादान
एक दिन हो जायेगा तुम जग में गुमनाम

पापी की भक्ति कभी काम ना है आया
दशानन भी भोले के चरण में सर चढ़ाया
ज्ञानी पंडित था वो सजा दे गये श्रीराम
भक्ति भाव भी काम ना आया उन्हें श्रीमान

बीज पाप की गर बीज जिसने है बोया
पाप की वृक्ष की पका फल वो ही है पाया
मान सम्मान गया हो गया जग में बदनाम
लुट गया मिट गया तेरा जग में सम्मान

नाकारात्मक सोंच की ना करना खेती
साकारात्मक सोंच सफलता की नीति
समझना होगा समाज का ज्ञान विज्ञान
गर होना है जग में महापुरूष महान

धर्म की नीति हमें गीता रामायण समझाता
बुराई की दलदल में बुरा लोग है समाता
इन्सान हो इन्सानियत की कर लो पहचान
भले का साथ है युग युगों तक वो भगवान

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

सत्ता का नशा: जब शासक ही बन जाए सबसे बड़ा संकट

एन0के0शर्मा
लेखक

सत्ता जब सेवा से सरककर स्वामित्व में बदल जाती है, तब लोकतंत्र की आत्मा धीरे-धीरे दम तोड़ने लगती है। यह परिवर्तन अचानक नहीं होता—यह एक धीमा, सुनियोजित और खतरनाक संक्रमण होता है, जिसमें शासक स्वयं को व्यवस्था का संरक्षक नहीं, बल्कि उसका स्वामी समझने लगता है। यही वह बिंदु है, जहाँ से राष्ट्र के लिए सबसे बड़ा संकट जन्म लेता है—बाहरी शत्रु नहीं, बल्कि आंतरिक अहंकार।

सत्ता का नशा किसी भी मादक पदार्थ से अधिक खतरनाक होता है, क्योंकि यह विवेक को कुंद कर देता है और उत्तरदायित्व को अधिकार में बदल देता है। जब शासक अपने निर्णयों को अंतिम सत्य मानने लगता है, जब आलोचना उसे षड्यंत्र प्रतीत होने लगती है, और जब जनता की पीड़ा उसे शोर लगने लगती है—तब समझ लेना चाहिए कि सत्ता सेवा नहीं, नियंत्रण का औजार बन चुकी है।

इतिहास इस बात का साक्षी है कि जब-जब शासकों ने स्वयं को राष्ट्र से ऊपर समझा, तब-तब समाज ने भारी कीमत चुकाई। सत्ता का असंतुलन केवल आर्थिक या प्रशासनिक विफलता नहीं लाता, बल्कि यह सामाजिक विश्वास को भी तोड़ देता है। जनता का भरोसा, जो किसी भी शासन की सबसे बड़ी पूंजी होता है, जब दरकने लगता है, तो अराजकता का बीज स्वतः ही अंकुरित हो जाता है।

सबसे भयावह स्थिति तब उत्पन्न होती है जब सत्ता अपने ही नागरिकों को संदेह की दृष्टि से देखने लगती है। जब विरोध को देशद्रोह और प्रश्न को अपराध घोषित कर दिया जाता है, तब लोकतंत्र की परिभाषा केवल

कागजों में सिमट जाती है। एक स्वस्थ समाज में असहमति प्रगति का संकेत होती है, लेकिन सत्ता के नशे में चूर शासन उसे विद्रोह मान बैठता है।

यह नशा केवल शीर्ष स्तर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि धीरे-धीरे पूरी प्रशासनिक संरचना में फैल जाता है। अधिकारी जनसेवक से अधिक शासक की इच्छा के अनुयायी बन जाते हैं। कानून का उद्देश्य न्याय नहीं, बल्कि नियंत्रण हो जाता है। नीतियाँ जनहित से अधिक सत्ता की स्थिरता के लिए बनाई जाने लगती हैं। और यही वह बिंदु है जहाँ शासन-प्रशासन जनता के लिए नहीं, बल्कि स्वयं के लिए कार्य करने लगता है

इस स्थिति में मीडिया, न्यायपालिका और अन्य संस्थाएं भी दबाव के घेरे में आ जाती हैं। जब संस्थाएं स्वतंत्र नहीं रहतीं, तो संतुलन का पूरा ढांचा चरमरा जाता है। सत्ता का केंद्रीकरण केवल निर्णय लेने की प्रक्रिया को तेज नहीं करता, बल्कि उसे खतरनाक भी बना देता है, क्योंकि उसमें सुधार की गुंजाइश समाप्त हो जाती है।

जनता भी इस प्रक्रिया में एक मौन भागीदार बन जाती है। भय, भ्रम और कभी-कभी सुविधा के कारण वह अपनी आवाज खो देती है। जब समाज सवाल पूछना बंद कर देता है, तब सत्ता के लिए मनमानी करना और भी आसान हो जाता है। यह चुप्पी ही वह खाद है, जिसमें निरंकुशता का वृक्ष फलता-फूलता है।

लेकिन हर नशे की एक सीमा होती है। सत्ता का यह नशा भी अंततः अपने ही भार से टूटता है। जब जनता का धैर्य समाप्त होता है, जब असंतोष सड़कों पर उतर आता है, और जब सत्य को दबाने की हर कोशिश विफल हो जाती है—तब वही सत्ता, जो स्वयं को अजेय समझती थी, सबसे कमजोर दिखाई देने लगती है।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या हम इस संकट को पहचान पा रहे हैं? क्या हम समझ पा रहे हैं कि समस्या केवल किसी एक व्यक्ति या दल की नहीं, बल्कि एक मानसिकता की है—एक ऐसी मानसिकता जो सत्ता को सेवा नहीं, बल्कि अधिकार मानती है?

समाधान केवल सत्ता परिवर्तन में नहीं, बल्कि सोच के परिवर्तन में निहित है। जब तक नागरिक जागरूक नहीं होंगे, जब तक वे अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग नहीं होंगे, तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से स्वस्थ नहीं रह सकती। लोकतंत्र केवल चुनावों का खेल नहीं है, यह निरंतर संवाद, जवाबदेही और सहभागिता की प्रक्रिया है। सत्ता का नशा तभी टूटेगा, जब समाज अपनी चेतना को पुनर्जीवित करेगा। जब सवाल पूछना सामान्य होगा, जब असहमति को सम्मान मिलेगा, और जब शासन को यह अहसास होगा कि वह जनता के लिए है, न कि जनता उस के लिए—तभी एक संतुलित और सशक्त व्यवस्था का निर्माण संभव होगा। अन्यथा, सत्ता का यह नशा एक ऐसे अंधकार में ले जाएगा, जहाँ से लौटना न केवल कठिन, बल्कि कभी-कभी असंभव भी हो जाता।

पसीने का विज्ञान: शरीर का प्राकृतिक शीतलन तंत्र

डॉ विजय गर्ग
लेखक

गर्मियों के दिनों में, व्यायाम करते समय या तनावपूर्ण परिस्थितियों में हमारे शरीर से पसीना निकलना एक सामान्य घटना है। अधिकांश लोग पसीने को केवल असुविधा या बदबू से जोड़कर देखते हैं, लेकिन वास्तव में यह मानव शरीर की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और जटिल जैविक प्रक्रिया है। पसीना हमारे शरीर का प्राकृतिक एयर-कंडीशनर है, जो तापमान को नियंत्रित रखने और कई शारीरिक कार्यों को सुचारु रूप से चलाने में मदद करता है।

मानव शरीर का सामान्य तापमान लगभग 37 डिग्री सेल्सियस होता है। जब बाहरी तापमान बढ़ता है या शारीरिक गतिविधियों के कारण शरीर अधिक गर्मी पैदा करता है, तब शरीर को इस अतिरिक्त ऊष्मा से छुटकारा पाने की आवश्यकता होती है। यहीं पर पसीना महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। त्वचा में मौजूद लाखों स्वेद ग्रंथियां पानी और लवणों से युक्त द्रव का स्राव करती हैं। जब यह द्रव त्वचा की सतह से वाष्पित होता है, तो वह शरीर से ऊष्मा को भी साथ ले जाता है, जिससे शरीर ठंडा हो जाता है।

मनुष्य के शरीर में मुख्य रूप से दो प्रकार की स्वेद ग्रंथियां होती हैं—एक्राइन और एपोक्राइन ग्रंथियां। एक्राइन ग्रंथियां पूरे शरीर में फैली होती हैं और तापमान नियंत्रण का मुख्य कार्य करती हैं। दूसरी ओर, एपोक्राइन ग्रंथियां मुख्यतः बगल, कमर और कुछ अन्य क्षेत्रों में पाई जाती हैं। ये भावनात्मक तनाव, भय या उत्तेजना की स्थिति में सक्रिय होती हैं। दिलचस्प बात यह है कि पसीना स्वयं लगभग गंधहीन होता है। शरीर से आने वाली दुर्गंध वास्तव

में त्वचा पर मौजूद बैक्टीरिया के कारण उत्पन्न होती है। जब बैक्टीरिया पसीने में मौजूद जैविक पदार्थों को तोड़ते हैं, तब विशिष्ट गंध पैदा होती है। यही कारण है कि स्वच्छता बनाए रखने से शरीर की दुर्गंध को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। पसीना केवल शरीर को ठंडा करने का काम ही नहीं करता, बल्कि यह शरीर में जल और खनिज संतुलन बनाए रखने में भी सहायक है। पसीने के माध्यम से थोड़ी मात्रा में सोडियम, पोटैशियम और अन्य खनिज भी बाहर निकलते हैं। अत्यधिक पसीना आने पर शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो सकती है, इसलिए गर्म मौसम या भारी व्यायाम के दौरान पर्याप्त पानी पीना आवश्यक होता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य की पसीना बहाने की क्षमता अन्य कई स्तनधारियों की तुलना में अधिक विकसित है। यही विशेषता मानव जाति के विकास में महत्वपूर्ण रही है। माना जाता है कि हमारे पूर्वज लंबी दूरी तक दौड़ने और शिकार करने में इसलिए सक्षम थे क्योंकि उनका शरीर पसीने के माध्यम से प्रभावी ढंग से ठंडा हो सकता था। यह क्षमता उन्हें गर्म वातावरण में भी सक्रिय बनाए रखती थी। पसीना हमारे मानसिक और भावनात्मक अनुभवों से भी जुड़ा हुआ है। परीक्षा, साक्षात्कार, मंच पर भाषण या किसी तनावपूर्ण परिस्थिति में हथेलियों और माथे पर आने वाला पसीना शरीर की 'लड़ो या भागो' प्रतिक्रिया का हिस्सा होता है। यह प्रतिक्रिया हमारे तंत्रिका तंत्र द्वारा नियंत्रित होती है और संभावित खतरे के लिए शरीर को तैयार करती है।

हाल के वर्षों में वैज्ञानिक पसीने को स्वास्थ्य निगरानी के एक नए साधन के रूप में भी देख रहे हैं। आधुनिक तकनीक की मदद से ऐसे पहनने योग्य सेंसर विकसित किए जा रहे हैं जो पसीने का विश्लेषण करके शरीर में ग्लूकोज, इलेक्ट्रोलाइट्स और अन्य जैविक संकेतकों की जानकारी दे सकते हैं। भविष्य में यह तकनीक रोगों के निदान और स्वास्थ्य प्रबंधन को और आसान बना सकती है।

हालांकि पसीना शरीर के लिए लाभकारी है, लेकिन अत्यधिक या असामान्य पसीना कभी-कभी स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत भी हो सकता है। हाइपरहाइड्रोसिस जैसी स्थितियों में व्यक्ति को सामान्य से कहीं अधिक पसीना आता है, जबकि कुछ रोगों में पसीना कम या बिल्कुल नहीं आता। ऐसी परिस्थितियों में चिकित्सकीय सलाह लेना आवश्यक होता है।

पसीना मानव शरीर की एक साधारण प्रतीत होने वाली, लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। यह न केवल हमें गर्मी से बचाता है, बल्कि हमारे विकास, स्वास्थ्य और जीवित रहने की क्षमता से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। अगली बार जब गर्मी के कारण आपके माथे पर पसीने की बूंदें उभरें, तो याद रखिए कि यह शरीर की एक अद्भुत वैज्ञानिक व्यवस्था है, जो हर पल आपको सुरक्षित और संतुलित बनाए रखने के लिए काम कर रही है।

जब ट्रेंड तय करने लगे जनमत

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनमत होता है। यह जनमत किसी एक दिन या एक चुनाव के दौरान निर्मित नहीं होता, बल्कि समाज में निरंतर चलने वाले संवाद, बहस, विचार-विमर्श, सामाजिक अनुभवों, राजनीतिक चेतना और नागरिक भागीदारी की लंबी प्रक्रिया से आकार लेता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों का सूचित निर्णय, विभिन्न विचारों का आदान-प्रदान और असहमति के प्रति सम्मान अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। लंबे समय तक भारत में जनमत के निर्माण का आधार प्रत्यक्ष संवाद, जनसभाएँ, सामाजिक संगठन, समाचार-पत्र, पुस्तकें, शिक्षण संस्थान और जनआंदोलन रहे। लेकिन डिजिटल क्रांति के बाद यह परिदृश्य तेजी से बदला है। आज सोशल मीडिया केवल संवाद का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह जनमत निर्माण की सबसे प्रभावशाली शक्ति के रूप में उभरा है। ऐसे समय में यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या अब जनमत नागरिकों के स्वतंत्र चिंतन से अधिक सोशल मीडिया ट्रेंड और एल्गोरिदम द्वारा निर्धारित होने लगा है? भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और साथ ही दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल उपभोक्ता समूहों में से एक भी। करोड़ों लोग प्रतिदिन फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, यूट्यूब, व्हाट्सऐप और अन्य डिजिटल मंचों का उपयोग करते हैं। समाचारों से लेकर राजनीतिक विचारों तक, समाज के बड़े वर्ग की प्राथमिक जानकारी अब इन्हीं प्लेटफॉर्मों से प्राप्त होती है। यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पहले जहाँ नागरिक किसी मुद्दे पर अखबार पढ़कर, बहस सुनकर या स्थानीय स्तर पर चर्चा करके राय बनाते थे, वहीं अब राय निर्माण की प्रक्रिया काफी हद तक डिजिटल मंचों पर निर्भर हो गई है। इस प्रक्रिया में सोशल मीडिया एल्गोरिदम की भूमिका केंद्रीय हो गई है। एल्गोरिदम ऐसे तकनीकी तंत्र हैं जो यह तय करते हैं कि किसी उपयोगकर्ता को कौन-सी सामग्री दिखाई जाएगी और कौन-सी नहीं। वे उपयोगकर्ता की पसंद, गतिविधियों, खोज इतिहास और ऑनलाइन व्यवहार का विश्लेषण करके सामग्री का चयन करते हैं। तकनीकी दृष्टि से उनका उद्देश्य उपयोगकर्ता को अधिक समय तक प्लेटफॉर्म पर बनाए रखना होता है, क्योंकि डिजिटल कंपनियों का आर्थिक मॉडल इसी पर आधारित है। लेकिन लोकतांत्रिक दृष्टि से यह प्रक्रिया कई गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि नागरिकों को वही सामग्री दिखाई जाए जो उनकी पूर्व मान्यताओं से मेल खाती हो, तो क्या वे विविध विचारों से परिचित हो पाएँगे? यदि एल्गोरिदम यह तय करने लगें कि कौन-सा मुद्दा महत्वपूर्ण है, तो क्या लोकतांत्रिक विमर्श स्वतंत्र रह पाएगा? आज सोशल मीडिया पर ट्रेंड होना किसी विषय की लोकप्रियता का प्रमुख संकेतक माना जाता है।

कोई हैशटैग लाखों बार साझा हो जाए तो वह राष्ट्रीय चर्चा का विषय बन जाता है। कई बार ऐसा प्रतीत होता है कि जो ट्रेंड कर रहा है वही जनभावना का प्रतिनिधित्व कर रहा है। किंतु यह आवश्यक नहीं कि ट्रेंड वास्तव में समाज की व्यापक राय का प्रतिबिंब हो। अनेक बार ट्रेंड संगठित डिजिटल अभियानों, राजनीतिक प्रचार, भुगतान आधारित प्रचार रणनीतियों या बॉट नेटवर्क द्वारा भी निर्मित किए जाते हैं। ऐसे में यह समझना आवश्यक है कि डिजिटल दृश्यता और वास्तविक जनसमर्थन हमेशा समानार्थी नहीं होते। जमीनी स्तर की राजनीतिक भागीदारी और डिजिटल सक्रियता के बीच का अंतर भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। भारत का लोकतांत्रिक इतिहास प्रत्यक्ष जनसहभागिता के अनेक उदाहरणों से

भरा हुआ है। स्वतंत्रता आंदोलन में लोगों ने जेल यात्राएँ कीं, सत्याग्रह किए और सामाजिक परिवर्तन के लिए व्यक्तिगत जोखिम उठाए। बाद के दशकों में भी अनेक आंदोलनों ने नागरिकों को प्रत्यक्ष रूप से संगठित किया। इन आंदोलनों में लोगों के बीच संवाद, विश्वास और सामूहिकता का निर्माण होता था। इसके विपरीत डिजिटल सक्रियता अक्सर प्रतीकात्मक भागीदारी तक सीमित रह जाती है। किसी पोस्ट को साझा करना, किसी हैशटैग का समर्थन करना या प्रोफाइल फोटो बदलना आसान है, लेकिन यह हमेशा वास्तविक सामाजिक हस्तक्षेप में परिवर्तित नहीं होता। परिणामस्वरूप राजनीतिक भागीदारी का एक नया स्वरूप विकसित हुआ है जिसमें दृश्यता अधिक और प्रत्यक्ष सामाजिक प्रतिबद्धता अपेक्षाकृत कम दिखाई देती है। सोशल मीडिया एल्गोरिदम का एक महत्वपूर्ण प्रभाव तथाकथित 'इको चैंबर' और 'फिल्टर बबल' के रूप में सामने आता है। जब कोई व्यक्ति किसी विशेष प्रकार की सामग्री देखता या पसंद करता है, तो एल्गोरिदम उसे उसी प्रकार की और सामग्री दिखाने लगते हैं। धीरे-धीरे वह व्यक्ति ऐसे डिजिटल वातावरण में पहुँच जाता है जहाँ उसे मुख्यतः वही विचार दिखाई देते हैं जिनसे वह पहले से सहमत होता है। इससे वैचारिक विविधता कम हो जाती है और विरोधी विचारों के प्रति असहिष्णुता बढ़ने लगती है। लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि नागरिक विभिन्न दृष्टिकोणों को सुनने और समझने के लिए तैयार हों। लेकिन यदि एल्गोरिदम नागरिकों को वैचारिक रूप से अलग-अलग खेमों में बाँट दें, तो लोकतांत्रिक संवाद की गुणवत्ता प्रभावित होना स्वाभाविक है। भारत में राजनीतिक ध्रुवीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति को भी इसी संदर्भ में देखा जा सकता है। सोशल मीडिया पर विभिन्न राजनीतिक समूह अपने-अपने डिजिटल समुदायों में सक्रिय रहते हैं। इन समुदायों के भीतर साझा की जाने वाली सामग्री अक्सर एक विशेष दृष्टिकोण को पुष्ट करती है और विरोधी विचारों को संदेह, उपहास या शत्रुता की दृष्टि से प्रस्तुत करती है। इससे समाज में संवाद की जगह टकराव की प्रवृत्ति बढ़ सकती है।

लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक और आवश्यक है, लेकिन जब असहमति संवाद के बजाय वैमनस्य का रूप लेने लगे तो लोकतांत्रिक संस्कृति कमजोर पड़ने लगती है। फेक न्यूज और दुष्प्रचार का प्रश्न भी सोशल मीडिया एल्गोरिदम से गहराई से जुड़ा हुआ है। एल्गोरिदम उन सामग्रियों को अधिक बढ़ावा देते हैं जिन पर लोग तेजी से प्रतिक्रिया देते हैं। अक्सर भावनात्मक और सनसनीखेज सामग्री तथ्यात्मक और संतुलित सामग्री की तुलना में अधिक तेजी से फैलती है। यही कारण है कि झूठी खबरें, आधे-अधूरे तथ्य, भ्रामक वीडियो और मनगढ़ंत दावे सोशल मीडिया पर अत्यंत तेजी से वायरल हो जाते हैं। भारत में कई अवसरों पर फेक न्यूज ने सामाजिक तनाव, सांप्रदायिक विवाद और सार्वजनिक भ्रम की स्थिति उत्पन्न की है। चुनावी राजनीति में भी गलत सूचनाओं का उपयोग मतदाताओं की राय को प्रभावित करने के लिए किया जाता रहा है। जब नागरिकों के निर्णय तथ्यात्मक जानकारी के बजाय दुष्प्रचार पर आधारित होने लगें, तो लोकतंत्र की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। सोशल मीडिया ने राजनीतिक संचार को भी पूरी तरह बदल दिया है। पहले राजनीतिक दलों को जनता तक पहुँचने के लिए रैलियों, सभाओं, पोस्टरों और पारंपरिक मीडिया का सहारा लेना पड़ता था। अब वे सीधे नागरिकों के मोबाइल फोन तक पहुँच सकते हैं। यह सुविधा लोकतंत्र के लिए सकारात्मक भी है क्योंकि इससे सूचना का प्रवाह तेज हुआ है। लेकिन इसके साथ ही माइक्रो-टार्गेटिंग जैसी नई रणनीतियाँ भी विकसित हुई हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म उपयोगकताओं के व्यवहार से संबंधित विशाल मात्रा में डेटा एकत्र करते हैं। इस डेटा के आधार पर अलग-अलग समूहों को अलग-अलग राजनीतिक संदेश भेजे जा सकते हैं। इससे राजनीतिक प्रचार अधिक प्रभावी तो हो जाता है, लेकिन पारदर्शिता कम हो जाती है। नागरिकों को यह पता ही नहीं चलता कि उन्हें जो संदेश दिखाया जा रहा है, वही संदेश अन्य नागरिकों को भी दिखाई दे रहा है या नहीं। लोकतंत्र का आदर्श सार्वजनिक और खुला विमर्श है, जबकि माइक्रो-टार्गेटिंग राजनीतिक संवाद को खंडित और निजी बना सकती है। हालाँकि सोशल मीडिया और एल्गोरिदम के प्रभाव को केवल नकारात्मक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। इन मंचों ने अनेक सकारात्मक अवसर भी प्रदान किए हैं। समाज के हाशिए पर स्थित समूहों, महिलाओं, युवाओं, ग्रामीण समुदायों और अल्पप्रतिनिधित्व वाले वर्गों को अपनी बात रखने का नया मंच मिला है। कई सामाजिक मुद्दे जो पहले मुख्यधारा मीडिया में पर्याप्त स्थान नहीं पाते थे, सोशल मीडिया के माध्यम से राष्ट्रीय बहस का विषय बने हैं। डिजिटल माध्यमों ने सूचना तक पहुँच को अधिक लोकतांत्रिक बनाया है और नागरिकों को सत्ता से सीधे संवाद करने का अवसर दिया है। कई जनहित अभियानों ने सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक समर्थन प्राप्त किया है। प्राकृतिक आपदाओं, सामाजिक आंदोलनों और जनजागरूकता अभियानों में डिजिटल प्लेटफॉर्म की सकारात्मक भूमिका को नकारा नहीं जा सकता।समस्या तब उत्पन्न होती है जब तकनीकी मंच स्वयं लोकतांत्रिक विमर्श के निर्णायक बनने लगते हैं। किसी लोकतंत्र में यह निर्णय नागरिकों और संस्थाओं का होना चाहिए कि कौन-से मुद्दे महत्वपूर्ण हैं, न कि किसी निजी कंपनी के एल्गोरिदम का। लेकिन व्यवहार में कई बार यही होता दिखाई देता है कि जो विषय एल्गोरिदमिक रूप से अधिक दृश्यता प्राप्त कर लेता है, वही सार्वजनिक बहस के केंद्र में आ जाता है। इससे उन महत्वपूर्ण मुद्दों की उपेक्षा हो सकती है जो डिजिटल रूप से आकर्षक नहीं हैं, लेकिन सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ग्रामीण संकट, श्रमिक अधिकार, शिक्षा की गुणवत्ता, सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्थानीय प्रशासन जैसे विषय अक्सर मनोरंजक या विवादास्पद सामग्री की भीड़ में दब जाते हैं। भारत जैसे लोकतंत्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह डिजिटल तकनीक के लाभों को स्वीकार करते हुए उसके दुष्प्रभावों को कैसे नियंत्रित करे। इसके लिए केवल सरकारी नियमन पर्याप्त नहीं होगा। डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना आवश्यक है ताकि नागरिक सूचना का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर सकें। स्कूलों और विश्वविद्यालयों में मीडिया साक्षरता तथा तथ्य-जाँच संबंधी शिक्षा को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया कंपनियों को भी अपने एल्गोरिदम की पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ानी होगी। राजनीतिक विज्ञापनों और डिजिटल प्रचार अभियानों के लिए स्पष्ट नियमों की आवश्यकता है ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की निष्पक्षता बनी रहे। स्वतंत्र मीडिया, नागरिक समाज और शैक्षणिक संस्थानों को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। अंततः यह समझना आवश्यक है कि लोकतंत्र केवल तकनीक से संचालित नहीं हो सकता। तकनीक लोकतंत्र का साधन हो सकती है, उसका विकल्प नहीं। सोशल मीडिया नागरिकों को जोड़ सकता है, लेकिन वह वास्तविक सामाजिक संबंधों और जमीनी भागीदारी का स्थान नहीं ले सकता।

जनप्रतिनिधियों एवं डीएम नें मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल, प्रशस्ति पत्र व डेमो चेक प्रदान कर किया सम्मानित

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कर-कमलों द्वारा लोक भवन स्थित सभागार से मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह का आयोजन किया जायेगा। जिसका सजीव प्रसारण जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, अभिभावकों, छात्र-छात्राओं द्वारा देखा एवं सुना गया।गांधी सभागार जिला प्रशासन व शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह में राज्यमंत्री गन्ना विकास एवं चीनी मिलें, उ0प्र0 संजय सिंह गंगवार, जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य, विधायक बरखेडा एवं जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर राज्यमंत्री, जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारियों ने हाईस्कूल व इण्टर मीडिएट बोर्ड परीक्षाओं में जनपद का नाम रोशन करने वाले 22 मेधावी छात्र-छात्राओं को पगडी पहनाकर, मेडल, प्रशस्ति पत्र व 21-21 हजार के डेमो चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में प्रांजल मौर्य, यश प्रजापति, युवराज, कृति गोस्वामी, अक्शरा, अंशिका देवी, शिवा कश्यप, राजवीर, आदित्य गंगवार, प्रमोद कुमार, विकास वर्मा अनामिका वर्मा एवं इंटर मीडिएट दर्शिका शर्मा, प्रियांशी देवी, ऋषभ भास्कार, नितिन वर्मा, साक्षी, अमन गंगवार, अमन वर्मा, मानवी वर्मा, साक्षी गिहार, पंखुडी को सम्मानित किया गया।

इस दौरान उन्होंने मेधावी छात्र-छात्राओं के अभिभावकों व अध्यापकों को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। राज्यमंत्री ने मेधावियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आज के मेधावी छात्र ही देश और प्रदेश का भविष्य हैं। प्रदेश सरकार युवाओं को हर संभव मंच और संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि बच्चों की सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत के साथ साथ उनके शिक्षकों और माता-पिता का भी अमूल्य योगदान रहा है।

इसके साथ ही जिलाध्यक्ष एवं विधायक बरखेड़ा ने भी मेधावी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाऐं दी। जिलाधिकारी ने मेधावी छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुये जीवन में समय प्रबंधन और निरंतरता के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान आपकी मेहनत और लगन का परिणाम है, लेकिन इसे एक नई शुरूआत मानें। उन्होंने कहा कि सभी छात्र-छात्राऐं अपने लक्ष्य का स्पष्ट निर्धारित करते हुये तथा लक्ष्य का चिन्तन मनन करते हुए लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अनुशासित होकर प्रयास करें।

लक्ष्य प्राप्त करें, अच्छे नागरिक बने तथा भारत को विकसित राष्ट बनाने में अपना योगदान दें। कार्यक्रम में जिला नोडल अधिकारी माध्यमिक शिक्षा इंतजार खान का सराहनीय योगदान रहा। सम्मान समारोह में मुख्य विकास अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, परियोजना निदेशक सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य/अध्यापक, अभिभावक, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण कार्यक्रम गन्ना कृषक महाविद्यालय पूरनपुर में आयोजन किया

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। गन्ना कृषक महाविद्यालय पूरनपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर मृदुला शर्मा के नेतृत्व में महाविद्यालय परिसर में आम, अमरुद, अनार के पौधे लगाए गए व उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्ष संवर्धन की शपथ दिलाई गई, सभी ने संकल्प लिया कि वे अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाएंगे उनकी रक्षा करेंगे तथा पर्यावरण को स्वच्छ एवं हरित बनाने में अपना योगदान देंगे। इस अवसर पर डॉक्टर अरविंद कुमार दीक्षित ने छात्र-छात्रा को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि वृक्ष मानव जीवन का आधार है उन्होंने सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में डॉक्टर रेखा सिंह, डॉक्टर विनोद सिंह, शाहिद खान, सुरेंद्र पाल और छात्रा इकाई से संजना, भक्ति, रिमझिम, गुनगुन, प्रिया सिंह, स्वाति भारती, आराधना, अंकिता, खुशबू, रघुवीर, राहुल, अनुज, दीपक आदि ने कार्यक्रम मे प्रतिभाग किया।

क्रीड़ा भारती नगर हापुड़ की नई कार्यकारिणी गठित चुने गए नए अध्यक्ष,जिले में खेल को एक नई दिशा मिलने की उम्मीद

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में खेलों को नई दिशा देने और राष्ट्रीय चेतना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, क्रीड़ा भारती नगर हापुड़ इकाई की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है। प्रांत अध्यक्ष विशाल मित्तल ने क्रीड़ा भारती नगर हापुड़ अध्यक्ष के लिए संतोष अग्रवाल की घोषणा की। घोषणा के अनुसार, संतोष अग्रवाल को सर्वसम्मति से क्रीड़ा भारती नगर हापुड़ इकाई का अध्यक्ष घोषित किया गया है। संगठन ने उन पर विश्वास जताते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी है, ताकि वे जिले में खेल विकास, प्रतिभा पहचान और युवा खिलाड़ियों के प्रोत्साहन में अग्रणी भूमिका निभा सकें। इस अवसर पर जिला मंत्री व प्रांत क्रीड़ा केंद्र प्रमुख मनप्रीत खैरा ने नई टीम को बधाई देते हुए कहा, 'क्रीड़ा केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। हमें पूर्ण विश्वास है कि यह नई कार्यकारिणी अपनी ऊर्जा और प्रतिबद्धता से जिले में खेलों को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी और एक मजबूत खेल संस्कृति का निर्माण करेगी।' नई टीम के गठन से जिले में खेल के माहौल को एक नई दिशा मिलने की उम्मीद है। नई कार्यकारिणी में अन्य महत्वपूर्ण दायित्व भी सौंपे जाएँगे। संगठन की गतिविधियों को जमीनी स्तर पर सक्रिय रूप से आगे बढ़ाने के लिए। इस मोके पर जिला संरक्षक ब्रिजेश गर्ग, जिला महिला अध्यक्ष वंदना सिंघल, मंत्री सुनीता स्वामी, जिला महिला कोषाध्यक्ष नीलम गुप्ता, आशीष गर्ग, सह मंत्री मनोज अग्रवाल, सुभाष सैनी, परवीन कुमार, अनिल स्वामी, अतुल अग्रवाल आदि लोग उपस्थित रहे।

पूर्व सांसद हरीश नागपाल के पुत्र जय नागपाल ने बच्चों को वितरित की क्रिकेट किट

नितिन शर्मा

नूरपुर(वेलकम इंडिया)। नगर स्थित श्री राधा कृष्ण बैंकट हॉल में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के बच्चों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से क्रिकेट किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद हरीश नागपाल के पुत्र जय नागपाल ने बच्चों को क्रिकेट किट प्रदान करते हुए उन्हें खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जय नागपाल ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करते हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की प्रतिभाओं को उचित संसाधन और अवसर उपलब्ध कराना समाज की जिम्मेदारी है। बच्चों को क्रिकेट किट प्रदान करने का उद्देश्य उन्हें खेलों के प्रति प्रेरित करना और उनकी प्रतिभा को निखारने में सहयोग करना है। कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों और उनके अभिभावकों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया। बच्चों में क्रिकेट किट प्राप्त करने को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। सभी अतिथियों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें खेल और शिक्षा दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं।

नगर कोतवाली पुलिस ने किया बच्चों की खरीद-फरोख्त करने वाले गिरोह का पदार्फाश,चार अरोपी गिरफ्तार

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के थाना हापुड़ नगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनीष चौहान की पुलिस टीम ने भोले-भाले नाबालिग बच्चों को बहला-फुसलाकर ले जाकर उनकी खरीद-फरोख्त करने वाले एक गिरोह का पदार्फाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो अपहृत बालकों को सकुशल बरामद करने के साथ ही 5 हजार रुपये नकद और तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। पत्रकारों को प्रेसवार्ता के दौरान क्षेत्राधिकारी हापुड़ सिटी वरुण मिश्रा ने बताया कि थाना हापुड़ नगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनीष चौहान की पुलिस टीम ने भोले-भाले नाबालिग बच्चों को बहला-फुसलाकर ले जाकर उनकी खरीद-फरोख्त करने वाले एक गिरोह का पदार्फाश करते हुए चार आरोपियों को रेलवे यार्ड रोड स्थित नीलकंठ मंदिर के पास से गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ के दौरान बताया गया कि आरोपी अमित कुमार गुप्ता और दीपक भोले-भाले नाबालिग बच्चों को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाते थे और बाद में उन्हें मुकेश शर्मा तथा योगेश उर्फ लोकेश को बेचकर आर्थिक लाभ कमाते थे।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमित कुमार गुप्ता निवासी सम्भल,दीपक निवासी लखनऊ, मुकेश शर्मा निवासी मुरादाबाद तथा योगेश उर्फ लोकेश निवासी अमरोहा के रूप में हुई है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। क्षेत्राधिकारी हापुड़ सिटी वरुण मिश्रा ने बताया कि थाना हापुड़ नगर पुलिस को नाबालिग बच्चों के अपहरण से संबंधित मामले में महत्वपूर्ण सूचना मिली थी। इसके आधार पर टीम का गठन कर कार्रवाई की गई। जांच के दौरान एक ऐसे गिरोह का खुलासा हुआ जो नाबालिग बच्चों को बहला-फुसलाकर ले जाता था और उनकी खरीद-फरोख्त करता था। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर दो अपहृत बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और यह भी जांच की जा रही है कि गिरोह ने पूर्व में ऐसी न जाने कितनी अनगिनत घटनाओं को अंजाम दे चुके है।

विधायक एवं डीएम ने गोमती नदी के पुनरूद्धार कार्य का ग्राम पंचायत शेरपुर मकरन्दरपुर (चन्दुइया घाट) में किया शुभारम्भ

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। विधायक पूरनपुर बाबूराम पासवान एवं जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने आज विकास खण्ड पूरनपुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत शेरपुर मकरन्दपुर (चन्दुइया घाट) में माँ गोमती नदी का पुनरूद्धार कार्य का विधि-विधान से पूजन कर कार्य की शुरूआत की। विधायक पूरनपुर, जिलाधिकारी एवं आमजन ने फावड़ा चलाकर नदी के पुनरूद्धार हेतु श्रमदान किया विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में गोमती नदी को स्वच्छ और पुनर्जीवित करने के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए जनपद में जन अभियान की शुरूआत की गई है। इस अभियान के तहत क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन और आम जनता के सहयोग से आदि माँ गोमती की अविरल जलधारा को बनाए रखने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि गोमती नदी के उद्गम स्थल (फुलहर झील, माधोटांडा) से लेकर अगले 47 किलोमीटर तक नदी की साफ-सफाई, घास हटाने और पानी के प्रवाह को सुचारू बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं ग्रामीणों ने उत्साह के साथ श्रमदान किया। उन्होंने कहा कि आगामी पर्यावरण दिवस के अवसर पर गोमती नदी के तटों/किनारे पर पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए बडे. पैमाने पर वृक्षारोपण कराया जायेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि गोमती नदी का पुनरूद्धार कर नदी को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जा रहा है। नदी को अतिक्रमण मुक्त करने का कार्य किया जा रहा है और जिन स्थानों पर जलधारा का प्रवाह रूक गया है उन स्थानों को सहयोग व जन भागीदारी से साफ करने का कार्य किया जा रहा है। गोमती नदी का कायाकल्प का कार्य जनपद में 47 किलोमीटर के दायरे में आने वाली सभी 16 ग्राम पंचायतों के लोग इन पुनीत कार्य में सभी लोग अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि विधायक ने गोमती नदी की अविरल धारा को स्थायी रूप से बनाए रखने के लिए मुख्यमंत्री को एक प्रार्थना पत्र सौंपा है, ताकि इस अभियान को और अधिक गति दी जा सके। उन्होंने कहा कि नदियों का पुनर्जीवित होना प्रकृति के संतुलन के लिए बेहद जरूरी है। इस अभियान को एक उत्सव के रूप में मनाते हुए हर वर्ग का सहयोग मिल रहा है, जो इस बात का प्रतीक है कि गोमती नदी जल्द ही अपनी पुरानी पहचान वापस पाएगी। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी सतीश प्रसाद मिश्रा, उप जिलाधिकारी पूरनपुर, डीसी मनरेगा, खण्ड विकास अधिकारी, ग्राम प्रधान, ग्रामवासी सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जेएमएसआईटी कॉलेज, गाजियाबाद के विद्यार्थियों को प्रसिद्ध कंपनी राणा मटेरियल हैंडलिंग इक्विपमेंट प्राइवेट लिमिटेड में मिला प्लेसमेंट

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के एन एच9 पर जेएमएसआईटी कॉलेज, गाजियाबाद में आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में 3 विद्यार्थियों का चयन प्रसिद्ध कंपनी राणा मटेरियल हैंडलिंग इक्विपमेंट प्राइवेट लिमिटेड में हुआ। इस चयन प्रक्रिया में बी.टेक. (इलेक्ट्रिकल), बी.टेक. (मैकेनिकल), बी.बी.ए., एम.बी.ए., एम.सी.ए. एवं बी.सी.ए. के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

चयन प्रक्रिया के अंतर्गत ग्रुप डिस्कशन एवं एचआर इंटरव्यू के माध्यम से योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन श्री राकेश सिंहल जी ने कहा कि जेएमएसआईटी कॉलेज अपने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर प्रयासरत है, जिसके परिणामस्वरूप यहां के छात्र-छात्राएं देश-विदेश में संस्थान एवं भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। संस्था के जनरल सेक्रेटरी डॉ. हिमांशु सिंहल, अधिशासी निदेशक डॉ. ए. के. चौहान, प्राचार्य डॉ. प्रवीण गुप्ता, ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट प्रमुख आशुतोष द्विवेदी तथा ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट ऑफिसर राजन शर्मा ने चयनित छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उन्होंने कहा कि संस्थान सदैव विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ उत्कृष्ट रोजगार अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। संस्थान के निदेशक डॉ. अनिरुद्ध बिस्वास ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन तथा संस्थान द्वारा प्रदान की जा रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का परिणाम है। यह संपूर्ण प्लेसमेंट ड्राइव कैंपस मैनेजर डॉ. गौरव शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुई।इस अवसर पर प्लेसमेंट सेल ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी विद्यार्थियों के लिए इस प्रकार के अधिक से अधिक रोजगार अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि उन्हें उद्योग जगत से जुड़ने एवं अपने करियर को नई दिशा देने का अवसर प्राप्त हो सके।

भ्रष्टाचार लचर व्यवस्था और जन-शोषण के खिलाफ समाजवादी पार्टी हापुड़ का जोरदार प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को सौंपा गया ज्ञापन

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में समाजवादी पार्टी हापुड़ के जिलाध्यक्ष आनंद गुर्जर के नेतृत्व मे बढ़ती महंगाई डीजल-पेट्रोल की लूट और सरकारी भ्रष्टाचार के विरुद्ध एक विशाल एवं आक्रामक प्रदर्शन किया गया समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय से जिलाधिकारी कार्यालय तक निकाले गए इस ऐतिहासिक पैदल मार्च के माध्यम से सरकार की हर मोर्चे पर विफलताओं को घेरा गया और जिलाधिकारी महोदय के माध्यम से महामहिम राज्यपाल महोदय को ज्ञापन सौंपा गया इस प्रदर्शन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि पार्टी कार्यकताओं ने पेट्रोल और डीजल की आसमान छूती कीमतों के विरोध में अनोखे अंदाज में भैंसा-बुग्गी के साथ जुलूस निकाला नेतृत्व करते हुए समाजवादी पार्टी हापुड़ के जिलाध्यक्ष आनंद गुर्जर ने कहाआज का यह विशाल प्रदर्शन सरकार की जनविरोधी नीतियों के विरुद्ध जनता के आक्रोश का प्रमाण है यह सरकार केवल मुनाफाखोरी में व्यस्त है डीजल किसान की खेती का आधार है लेकिन सरकार सब्सिडी देने के बजाय किसान की कमर तोड़ रही है यह पूरे भारतवर्ष के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार जनता की पीड़ा को पूरी तरह नजरअंदाज कर रही है ।जिला प्रवक्ता एवं जिला उपाध्यक्ष श्री संजय सिंग यादव ने कड़े शब्दों में कहा आनंद गुर्जर जी के नेतृत्व में हम यह स्पष्ट चेतावनी देते हैं कि गरीब-गुरुओं का यह शोषण अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा सरकार जमाखोरी लूटखोरी और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में पूरी तरह विफल है प्रदेश में हर तरफ धांधली का बोलबाला है अभी हाल ही में घटी घटनाओं ने सरकार के दावों की पोल खोल दी है कल ही एक पुल के ढहने की घटना सामने आई है जो भ्रष्टाचार का जीता-जागता प्रमाण है इसके अलावा गंगा एक्सप्रेस-वे जैसी परियोजनाओं की गुणवत्ता पर भी बड़े सवाल खड़े हो गए हैं जहाँ सड़कें अभी से जगह-जगह से टूटकर क्षतिग्रस्त हो रही हैं यह स्पष्ट करता है कि सरकार ने भ्रष्टाचार पर अपनी आंखों पर पट्टी बांध रखी है स्वास्थ्य सेवाएं लाचार हैं और शिक्षा के क्षेत्र में सरकार का योगदान शून्य है आज जो भी विकास दिख रहा है वह समाजवादी सरकार की देन है यह सरकार केवल नाम बदलकर समाजवादी पार्टी के कार्यों पर अपना मुखौटा लगा रही है ।जिलाध्यक्ष छात्र सभा रविंद्र यादव ने कहा आनंद गुर्जर जी के नेतृत्व में समाजवादी छात्र सभा युवाओं के भविष्य की रक्षा के लिए सड़क पर है महत्वपूर्ण परीक्षाओं में पेपर आउट होना यह साबित करता है कि सरकार युवाओं की योग्यता का सम्मान नहीं करती छात्र सभा इस दमनकारी नीति के विरुद्ध अपना संघर्ष जारी रखेगी। प्रमुख उपस्थिति इस ऐतिहासिक प्रदर्शन में भारी तादाद में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकताओं के साथ प्रमुख रूप से वरिष्ठ समाजवादी नेता तेजपाल प्रमुख प्रताप चौहान सुधीर चौहान श्याम सुंदर रविंद्र यादव सीमा तनेजा दीपिका चुग राजेश यादव संजय गहलोत पुरुषोत्तम वर्मा पीयूष वाल्मीकि कुंवर पाल यादव ओमेंद्र तोमर हैप्पी प्रीति सिंह महेंद्र सिंह ललित सिंह अशोक यादव संजय यादव कमल मंसूरी वशीम मेवाती आसिफ सिद्दीकी आजाद अलवी असलाम अंसारी मुन्नी यादव रूबी यादव विपिन पदम सिंह अजयवीर सिंह सुनील चौधरी उपस्थित रहे। समाजवादी पार्टी हापुड़ का यह प्रदर्शन महंगाई भ्रष्टाचार और जन-विरोधी नीतियों के खिलाफ एक निर्णायक चेतावनी है 2027 में जनता अखिलेश यादव जी के नेतृत्व में इस सरकार का पूरी तरह सफाया करे।

माँ गोमती के पुनरोद्धार के लिए समर्पित कदम!

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। पीलीभीत उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी के दिशा-निर्देशन में 'एक जनपद एक नदी' अभियान के अंतर्गत माँ गोमती नदी के पुनरोद्धार कार्य का भव्य शुभारंभ ग्राम पंचायत शेरपुर मकरंदपुर (चन्दुइया कालोनी) से हुआ। जिस कार्यक्रम में जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह सहित जिले के सभी अधिकारी,सम्मानित ग्राम प्रधान,नेकी की दीवार,कर्मठ व्यापारी वर्ग तथा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सम्मानित सदस्यों व समाजसेवियों के साथ पूरे उत्साह के साथ श्रमदान किया और विधि विधान पूजन कर तथा नारियल तोड़कर कार्यक्रम को शुभारंभ किया. जिसमें 16 ग्राम पंचायतें जो 47 किलोमीटर के अंदर आती हैं उसमें गोमती के किनारे पर युद्ध स्तर पर सफाई अभियान चल रहा है। हमारी एक छोटी सी कोशिश गोमती नदी को फिर से अविरल और निर्मल बना सकती है। आइए, अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ और समृद्ध पर्यावरण सौंपने का संकल्प लें। इस अवसर पर ग्राम प्रधान निर्मल सिंह जी,लक्ष्मण वर्मा जी राममूर्ति सिंह जी, निर्भय सिंह जी,सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी अपूर्वा ने जनसमस्याओं को प्राथमिकता में रखते हुए अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

जनता दरबार में 38 शिकायतें प्राप्त, अधिकांश समस्याओं का मौके पर निस्तारण

गोविन्द मेहता

- पेयजल, सड़क एवं अन्य समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश।
- शिकायतों के क्रम में बिना शिकायतकर्ता के बगैर अधिकारी नही करें जांच-डीएम

बागेश्वर(वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी अपूर्वा पांडे द्वारा पदभार संभालने के बाद जनता की समस्याओं के त्वरित निस्तारण को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया गया।

जनता दरबार में सड़क, बिजली, पेयजल, सुरक्षा दीवार निर्माण तथा मुआवजा वितरण से संबंधित कुल 38 शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने जनसमस्याओं के समाधान को अपनी प्राथमिकता में रखते हुए अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया। जबकि शेष प्रकरणों के त्वरित समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

जनता दरबार में प्राप्त शिकायतों के क्रम में सड़क, शिक्षा, पेयजल, विद्युत समस्या,पुराने कांडा जीआईसी विद्यालय में संग्रालय बनाए जाने, ज्वालादेवी वार्ड के मजियाखेत में बायपास सड़क में कार्यदायी संस्था लोनीवि द्वारा नाला निकासी की उचित व्यवस्था नही किए जाने से सड़क में मनमाने तरीके से सड़क का कटान होने से उचित व्यवस्था नही किए जाने से बरसाती नाले का पानी घरों में घुसने, साथ ही क्षेत्र में बंदरों का आतंक होने और तहसील परिसर क्षेत्र में मार्ग किनारे स्थित पेड़ो में बंदरों के आरामगाह बनने से लोगों में भय का माहौल होने की शिकायत दर्ज की। जिस पर जिलाधिकारी ने लोनीविनगर पालिका और उपजिलाधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

वही समाजिक कार्यकर्ता अर्जुन देव ने नगर क्षेत्र को हरिद्वार की तर्ज पर सरयू संगम तट को विकसित किए जाने की घोषणा के बाद नगर क्षेत्र में धड़ल्ले से नियमविरुद्ध मीट मांस की दुकानें संचालित होने, साथ ही गंदे मल सहित प्रदूषित सामाग्री को पवित्र सरयू नदी में फैंके जाने से नदी प्रदूषित होने और नदी को स्वच्छ बनाने हेतु नगर क्षेत्र में संचालित हो रहे मीट मांस की दुकानों को न्यायालय के आदेश के बाद भी अन्यत्र स्थान में न्यायालय के आदेशानुसार व्यवस्था नही किए जाने और सरयू नदी को प्रदूषण मुक्त किए जाने की मांग की। जिस पर जिलाधिकारी ने आवश्यक कार्रवाई करने हेतु उचित कार्रवाई करने का भरोसा दिया।

इसके साथ ही सभी फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनका निस्तारण करने के निर्देश दिए।डीएम ने जनता दरबार मे एक फरियादी द्वारा कार्य करने के नाम पर पैसे देने के बाद भी कार्य नही होने पर नाराजगी दिखाते हुए जिलाधिकारी ने सख्त रुख अपनाते हुए सभी अधिकारियों को ऐसी किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर सम्बन्धित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की चेतावनी दी। नजल संस्थान एवं जल निगम को एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सीएम हेल्पलाइन एवं जनपद स्तरीय हेल्पलाइन 'हैलो बागेश्वर' पर लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने आपदा आने से पूर्व सम्बन्धित विभागों को पूर्व में सभी तैयारियां पूर्ण करने शिकायतों के निस्तारण के साथ-साथ शिकायतकताओं से शत-प्रतिशत कॉलिंग कर फीडबैक प्राप्त करने के भी निर्देश दिए।

डीएम ने जनसुनवाई कार्यक्रम में अधिकारियों को सभी समस्याओं के निराकरण को लेकर गम्भीरता बरतने और किसी भी प्रकार से लापरवाही बरतने पर सम्बन्धित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी आदित्य रत्न मुख्य विकास अधिकारी आर.सी.अपर जिलाधिकारी एन एस नबियाल तिवारी सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सदर तहसील में नायब तहसीलदार और अधिवक्ता के बीच मारपीट, बाद में हुआ समझौता

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। सदर तहसील में सोमवार दोपहर एक फाइल को लेकर नायब तहसीलदार और अधिवक्ता के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। घटना से तहसील परिसर में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर मौजूद फरियादियों व कर्मचारियों में हड़कंप की स्थिति बन गई। जानकारी के अनुसार अड़ींग निवासी अधिवक्ता दीपचंद यादव किसी कार्य से सदर तहसील पहुंचे थे।

इसी दौरान वृंदावन सर्किल का कार्य देख रहे नायब तहसीलदार प्रशांत कुमार से उनकी फाइल को लेकर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद धक्का-मुक्की और फिर मारपीट में बदल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोनों पक्षों के बीच जमकर लात-घूंसे चले।

सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक अधिवक्ता वहां से जा चुके थे। इसके बाद नायब तहसीलदार प्रशांत कुमार ने एसडीएम सदर को शिकायत पत्र देकर कार्रवाई की मांग की।

घटना की जानकारी मिलने पर बार एसोसिएशन के पदाधिकारी भी तहसील पहुंचे और दोनों पक्षों के बीच वार्ता कराई। बातचीत के बाद विवाद का निपटारा हो गया तथा दोनों पक्षों ने आपसी समझौता कर लिया। फिलहाल इस घटना को लेकर तहसील परिसर में दिनभर चचाओं का दौर चलता रहा।

पर्यटकों के लिए खुल गयी 'फूलों की घाटी'

ओ पी उनियाल

देहरादून(वेलकम इंडिया)। यदि आप सचमुच प्रकृति प्रेमी हैं तो चले आइए हिमालय के ऑचल में। तरह-तरह के हरे-भरे मखमली बुग्याल, हरियाली से लकदक ऊँचे-पहाड़, कल-कल करते गाड-गदेरे, झरनों की दहाड़, जंगलों में नाना प्रकार के पक्षियों की चहचहाट, हिमाच्छादित पर्वत श्रृंखलाओं के अलावा आपकी ऑखों को सुकून देने वाली वह घाटी जिसकी शायद आप सपनों में कल्पना जरूर करते होंगे। तो बस आपका इंतजार अब खत्म हो गया है। बस यूं समझिए आपका सपना पूरा हो चुका है। तैयारी कर लीजिए इस घाटी में महकती हवा का आनंद लेने के लिए। जी हां, हम बात कर रहे हैं विश्व विख्यात 'फूलों की घाटी' की। देश विदेश के पर्यटक अब चमोली जनपद स्थित फूलों की घाटी का दीदार कर सकेंगें। आज से नन्दा देवी राष्ट्रीय उद्यान ने फूलों की घाटी को पर्यटकों के लिए खोल दिया है। अब पर्यटक घाटी में आवाजाही कर सकेंगे। फूलों की घाटी प्रकृति प्रेमियों और ट्रेकर्स के लिए किसी खजाने से कम नहीं मानी जाती। यहां बड़ी संख्या में हिमालयी जड़ी बूटियाँ और फूल पाए जाते हैं। घाटी की जैव विविधता को देखते हुए यूनेस्को द्वारा फूलों की घाटी को विश्व धरोहर में शामिल किया गया है। घाटी के खुलने से स्थानीय पर्यटन व्यवसाय को भी नई रफ्तार मिलने की उम्मीद है। हर वर्ष की तरह इस बार भी जून महीने के शुरूआती सप्ताह में घाटी को पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। आमतौर पर यह घाटी अक्टूबर के अंत तक या बर्फबारी शुरू होने तक खुली रहती है। मानसून के आगमन के साथ यहां फूलों की बहार शुरू होती है, जो जुलाई से सितंबर के बीच अपने चरम पर पहुंचती है। इस दौरान ब्रह्म कमल, ब्लू पोस्ता और कोबरा लिली समेत सैकड़ों दुर्लभ प्रजातियों के फूल घाटी की खूबसूरती को और बढ़ा देते हैं। हां, यदि आप यहां आ रहे हैं या आ चुके हैं तो प्रकृति का सम्मान जरूर करें। जितना इसे सम्मान मिलेगा उससे ज्यादा आपको सुखद अनुभव का आभास कराएगी।

गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत देशव्यापी हस्ताक्षर अभियान, 40 करोड़ हस्ताक्षर जुटाने का लक्ष्य

मथुरा/गोवर्धन(वेलकम इंडिया)। गौ संरक्षण और गौ सम्मान के उद्देश्य से देशभर में चलाए जा रहे 'गौ सम्मान आह्वान अभियान' के अंतर्गत 27 जुलाई को गौ माता के सम्मान में प्रत्येक जिले में 40 करोड़ हस्ताक्षर सरकार को सौंपे जाएंगे। अभियान के तहत गिरिराज जी की परिक्रमा मार्ग पर प्रतिदिन शिविर लगाकर श्रद्धालुओं एवं आमजन से समर्थन प्राप्त किया जा रहा है। अभियान से जुड़े कार्यकताओं ने बताया कि 27 अप्रैल को देशभर में 5.25 करोड़ हस्ताक्षर एकत्रित किए गए थे। अब संत–महात्माओं के आह्वान पर अभियान को और व्यापक स्वरूप दिया गया है तथा इस बार 40 करोड़ हस्ताक्षर जुटाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के माध्यम से सरकार को यह संदेश देने का प्रयास किया जाएगा कि देश के करोड़ों नागरिक गौवंश की हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध चाहते हैं। साथ ही गौ माता को सम्मान, सुरक्षा और संरक्षण प्रदान करने के लिए प्रभावी सरकारी व्यवस्था लागू किए जाने की मांग भी उठाई जा रही है। उसी कढ़ी में परिक्रमा मार्ग में हस्ताक्षर अभियान चलाकर श्रद्धालुओं से हस्ताक्षर कराए जा रहे हैं। गौ सेवकों को सभी श्रद्धालुओं का समर्थन भी देखने को मिल रहा है। परिक्रमा मार्ग में सभी श्रद्धालु सनातन धर्म की मां के प्रतीक के रूप में गौ माता के सम्मान के हक में हस्ताक्षर कर रहे हैं। आयोजक गौ सेवकों का कहना है कि यह अभियान केवल एक हस्ताक्षर अभियान नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, आस्था और परंपराओं की रक्षा का जनआंदोलन है। 27 जुलाई को देश के सभी जिलों में एकत्रित हस्ताक्षरों के साथ सरकार को ज्ञापन सौंपा जाएगा। अभियान से जुड़े संतों एवं गौभक्तों ने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में जुड़कर गौ माता के सम्मान और संरक्षण के इस प्रयास को सफल बनाने की अपील की है।

मथुरा श्री कृष्ण जन्म भूमि मंदिर को मुक्ति कराने के लिए 7 जून को ताल कटोरा स्टेडियम में होगा अंतर्राष्ट्रीय धर्म संसद

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। श्री कृष्ण जन्म भूमि संघर्ष समिति के द्वारा आज मथुरा के एक निजी होटल मे प्रेस वार्ता आयोजित की गई प्रेस वार्ता का मूल उद्देश्य आगामी 7 जून को दिल्ली के ताल कटोरा स्टेडियम मे श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर मुक्ति के लिए आयोजित होने वाले अंतराष्ट्रीय धर्म सम्मेलन हिंदू जनजागरण को लेकर साधु संत एवं हिंदू संगठन के मंथन हुआ। श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष समिति के अंतराष्ट्रीय संघरक्षक रूप सिंह नागर व प्रदेश अध्यक्ष गुंजन शर्मा ने बताया कि भगवान श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर जिहादियों ने कब्जा कर रखा है तथा भगवान कृष्ण को माखन मिश्री भोग अर्पित करने मे परेशानियां हो रहीं हैं, मामला कोर्ट मे विचाराधीन है लेकिन रागभोग की सेवाओं को लेकर न्यायालय का कोई स्टे नहीं है। हम चाहते हैं इस बीच केंद्र केंद्र और यूपी की सरकार भगवान की बल भोग सेवाओं का कोई निर्णय लेकर सार्थक कदम उठाए।

जैसे भगवान श्री राम का मंदिर अयोध्या मे बना है ऐसे भगवान श्रीकृष्ण का मंदिर शीघ्र बने इसके लिए 7 जून को दिल्ली के ताल कटोरा स्टेडियम मे धर्म संसद का आयोजन शंकराचार्य स्वामी चक्रपाणी की अध्यक्षता एवं चित्रगुप्त पीठाधिश्वर स्वामी सच्चिदानंद महाराज के निर्देशन मे आयोजित किया जायेगा। इस धर्म सम्मेलन मे 16 देशों के सनातनी हिन्दुओं सहित भारत के कोने कोने से साधु संत महा मंडलश्वर ब्रजवासी अड़ी शामिल होंगे कार्यक्रम की रूप रेखा सोनिया ठाकुर और दिनेश फलाहारी महाराज,संभाल रहे हैं। इस अवसर पर लक्ष्मी नारायण महाराज, रूप सिंह नागर, साध्वी इंदु लेखा, गुंजन शर्मा, सच्चिदानंद महाराज आदि उपस्थित थे।

25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तावित श्रीबांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर परियोजना का खाका प्रस्तुत करेगा प्रशासन

मथुरा/वृंदावन(वेलकम इंडिया)। श्रीबांके बिहारी मंदिर गलियारा परियोजना को लेकर जिला प्रशासन की तैयारियां लगातार जारी हैं। सुप्रीम कोर्ट के निदेशों के अनुपालन में कॉरिडोर का खाका तैयार कर आगामी 25 अगस्त तक कोर्ट में जिला प्रशासन दाखिल करने की तैयारी में जूटा है। श्रीबांके बिहारी मंदिर के आसपास क्षेत्र में श्रद्धालुओं के लिए सुविधा विकसित करने के लिए प्रशासन शुरूआती दौर में 70 फीसदी भूमि की रजिस्ट्री करने पर जोर दे रहा है। वही अधिग्रहित की जाने वाली जमीनों और भवनों के स्वामियों के साथ बैठकों का दौर जारी है। वहीं दूसरी ओर अब तक 25% भूमि की रजिस्ट्री श्रीबांके बिहारी जी के नाम हो चुकी है। बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान कॉरिडोर की प्रगति रिपोर्ट कोर्ट के सामने रखी गई। इसके बाद कोर्ट ने प्रशासन को जरूरी तैयारियां पूरी करने के लिए अगस्त तक का समय दिया है। वही 18 बड़े भवनों और दुकानों को चिन्हित किया गया है, जिनकी जमीन के बैनामो की प्रक्रिया को प्राथमिकता भी दी जा रही है।

गायत्री शक्तिपीठ धौलपुर पर हुआ ट्रस्ट का पुनर्गठन

नत्थीलाल शर्मा मुख्य ट्रस्टी एवं धीर सिंह जादौन सहायक मुख्य ट्रस्टी बने

वेलकम इंडिया संवाददाता

धौलपुर। गायत्री शक्तिपीठ धौलपुर पर गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि शांतिकुंज प्रतिनिधि सतीश चंद कौशिक पूर्व ज़िला न्यायाधीश व्यवस्थापक पुष्कर जॉन रहे एवं अति विशिष्ट अतिथि श्याम सिंह कार्यक्रम एवं संगठन समन्वयक पुष्कर जॉन,विशिष्ट अतिथि नरेंद्र जोशी उप जॉन समन्वयक भरतपुर रहे एवं गोष्ठी की अध्यक्षता सहायक मुख्य ट्रस्टी धीर सिंह जादौन ने की। गायत्री शक्तिपीठ धौलपुर पर शांतिकुंज हरिद्वार के दिशा निदेर्शानुसार शांतिकुंज प्रतिनिधि सतीश चंद कौशिक पूर्व ज़िला न्यायाधीश व्यवस्थापक पुष्कर जॉन,श्याम सिंह कार्यक्रम एवं संगठन समन्वयक पुष्कर जॉन,नरेंद्र जोशी उप जॉन समन्वयक भरतपुर की देखरेख में गायत्री शक्तिपीठ धौलपुर ट्रस्ट का पुनर्गठन हुआ।

जिसमें सर्वसम्मति से एडवोकेट नत्थीलाल शर्मा को मुख्य ट्रस्टी एवं धीर सिंह जादौन सहायक मुख्य ट्रस्टी एवं ट्रस्टी के रूप में वासुदेव शर्मा ,गोपेशराज पचौरी बाड़ी ,मौजीराम कांघिल,अतर सिंह कुशवाह बसई नवाब,राजेश सिकरवार मनियां,सीता अग्रवाल,मलखान सिंह सिकरवार नियुक्त किए गए। शांतिकुंज प्रतिनिधि सतीश चंद कौशिक पूर्व ज़िला न्यायाधीश व्यवस्थापक पुष्कर जॉन ने बताया कि ट्रस्ट के साथ समितियों में भी जैसे देवालय समिति में संयोजक श्याम सुंदर शर्मा एवं सह संयोजक प्रतिभा गुप्ता तथा वित्त एवं विधि समिति में एकाउंटेंट राजेंद्र अग्रवाल एवं एडवोकेट लक्ष्मण सिंह बैंसला, आंदोलन समिति में संयोजक मुन्ना लाल शर्मा एवं सह संयोजक राजीव सक्सेना एवं संगठन समिति में संयोजक शिक्षाविद भगवान सिंह मीना एवं सह संयोजक संजय कमठान को बनाया एवं 13 सदस्यीय कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। गोष्ठी में कैलाश चंद्र तोमर,नेमीचंद महामना,दक्ष कुमार शर्मा, नौवत लाल कैन,प्रताप सिंह राना,सुंदर सिंह कुशवाह, दयाकांत सक्सैना,मनोज कुमारी,कमलेश कुमारी,ओमवीर सिंह राजपूत चौराखेड़ा,राम प्रकाश तोमर,प्रभाकर दीक्षित, मुन्ना लाल वाटरबॉक्स, कृष्ण कुमार परमार,चंद्र शेखर शर्मा सहित अन्य गायत्री परिजन उपस्थित रहे। गोष्ठी के अंत में मुख्य ट्रस्टी नत्थीलाल शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

विभिन्न पदों पर चयनित 276 अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री धामी ने नियुक्ति पत्र वितरित किए

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्य सेवक सदन में प्राविधिक शिक्षा विभाग, वन विभाग, नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग तथा महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के अन्तर्गत विभिन्न पदों पर चयनित 276 अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने नियुक्ति पत्र वितरित किए।

उन्होंने सभी नवनियुक्त कार्मिकों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को पारदर्शी एवं निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। इसी संकल्प का परिणाम है कि प्रदेश में अब तक 33 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवाओं में नियुक्ति प्रदान की जा चुकी है।

सख्त नकल विरोधी कानून लागू कर भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष और भ्रष्टाचारमुक्त बनाया गया है, जिससे योग्य एवं प्रतिभाशाली युवाओं को उनका अधिकार मिल रहा है।

श्रीमद्भागवत कथा में गूंजा तीर्थराज मचकुंड का प्रसंग

सच्ची मित्रता में अमीरी-गरीबी की कोई दीवार नहीं: सर्वेश प्रपन्नाचार्य

वेलकम इंडिया संवाददाता

धौलपुर। सैंपऊ रोड स्थित सिंगारा पैलेस में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आज मचकुंड प्रसंग, सुदामा चरित्र, नव योगेश्वर संवाद और शुकदेव पूजन के साथ समापन हो गया। अंतिम दिन की कथा में उमड़े जनसैलाब से पूरा हॉल भक्तिमय माहौल में सराबोर नजर आया। कथा के सातवें दिन पूज्य महाराज सर्वेश प्रपन्नाचार्य ने बताया कि धौलपुर स्थित मचकुंड तीर्थराज भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं में शामिल है। राजा मुचुकुन्द और कालयवन वध प्रसंग का अत्यंत रसपूर्ण एवं भावपूर्ण वर्णन करते हुए बताया कि जब कालयवन ने मथुरा पर आक्रमण किया, तब भगवान श्रीकृष्ण रणभूमि छोड़कर भाग खड़े हुए, जिसके कारण उन्हें 'रणछोड़' कहा गया। यह भगवान की एक अनूठी लीला थी। कालयवन भगवान का पीछा करते हुए धौलपुर में मौनी सिद्ध के पहाड़ पर एक गुफा में जा पहुंचा। गुफा में त्रेतायुग के प्रतापी सूर्यवंशी राजा मुचुकुन्द गहरे विश्राम में सो रहे थे। उन्हें देवासुर संग्राम में देवताओं की सहायता करने के बदले इंद्र देव से यह वरदान मिला था कि जो भी उन्हें नींद से जगाएगा, वह उनकी पहली दृष्टि पड़ते ही भस्म हो जाएगा। भगवान श्रीकृष्ण ने चतुराई से अपना पीतांबर सो रहे राजा मुचुकुन्द पर डाल दिया। अहंकार में अंधे कालयवन ने मुचुकुन्द को ही श्रीकृष्ण समझकर लात मार दी। राजा मुचुकुन्द की आंखें खुलते ही कालयवन जलकर भस्म हो गया। राजा मुचुकुन्द ने सम्मुख खड़े साक्षात भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन किए, तो उन्होंने राजपाठ और सांसारिक मोह त्यागकर प्रभु के चरणों में शरणागति ले ली। कथा व्यास ने श्रद्धालुओं को संदेश देते हुए कहा कि कालयवन वास्तव में मनुष्य के भीतर का 'अहंकार और वासना' है, जिसका अंत केवल ईश्वर की शरण में जाने पर ही संभव है। भगवान कृष्ण और सुदामा की निश्छल मित्रता पर उन्होंने कहा कि सच्ची मित्रता में अमीरी-गरीबी की कोई दीवार नहीं होती। सुदामा जी जब द्वारिका पहुंचे, तो प्रभु श्री कृष्ण ने नंगे पैर दौड़कर उनका स्वागत किया। भजनों के माध्यम से इस मर्मस्पर्शी प्रसंग को सुनकर पंडाल में मौजूद श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। कथा के परीक्षित महाराम शर्मा और उमा शर्मा सहित कमल, विमल, मनीष, यज्ञपति सूतैल, सियाराम शर्मा, गिरीश ब्रह्मा, पवन शर्मा, श्याम, रामू, मुकेश सूतैल और अन्य श्रद्धालुओं ने कथा पीठ से आशीर्वाद लिया। कथा को समापन की ओर ले जाते हुए कथाव्यास ने नव योगेश्वर संवाद पर कहा कि राजा निमि और नौ योगेश्वरों के बीच का संवाद भागवत महापुराण का हृदय है। इसमें योगेश्वरों ने राजा निमि के प्रश्नों का उत्तर देते हुए बताया कि भगवान की भक्ति ही शाश्वत है। शुकदेव पूजन में कथाव्यास ने बताया कि शुकदेव जी महाराज साक्षात वैराग्य के प्रतीक हैं। उनके आगमन और पूजन से जीवन के सारे अंधकार दूर हो जाते हैं। महाराज श्री ने सात दिनों के सार को समेटते हुए कहा कि भागवत श्रवण से केवल मोक्ष ही नहीं मिलता, बल्कि यह हमें जीवन जीने की सही कला सिखाता है।

सकरवा में जाटव समाज की समस्या सुनने पहुंचे सपा नेता गोल्डी भैया, जल्द समाधान का वादा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत सकरवा में पिछले तीन वर्षों से जर्जर और खंडहर अवस्था में पड़े जाटव समाज के पंचायती घर को लेकर एक बार फिर चचाएं तेज हो गई हैं। समाज के लोगों द्वारा लगातार उठाई जा रही मांग के बीच समाजसेवी एवं सपा नेता महेश चंद शर्मा उर्फ गोल्डी भैया अपने समर्थकों के साथ गांव पहुंचे और पंचायती घर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जाटव समाज के लोगों और ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने बताया कि पंचायती घर की खराब स्थिति के कारण सामाजिक, धार्मिक एवं सामुदायिक कार्यक्रमों के आयोजन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वर्षों से भवन की मरम्मत न होने के कारण यह उपयोग के लायक नहीं रह गया है। इस मौके पर गोल्डी भैया ने कहा कि जाटव समाज का पंचायती घर समाज की एक महत्वपूर्ण धरोहर है। तीन वर्षों से इसकी उपेक्षा होना चिंताजनक है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह इस मुद्दे को संबंधित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के समक्ष मजबूती से उठाएंगे और भवन के पुनर्निर्माण अथवा मरम्मत के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। गांव में पहुंचने पर जाटव समाज एवं ग्रामीणों ने गोल्डी भैया का फूल-मालाओं और दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे और पंचायती घर की मरम्मत की मांग को दोहराया। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप के बाद उनकी वर्षों पुरानी समस्या का जल्द समाधान हो सकेगा।

संत कबीर नगर जिले का एक गांव ऐसा भी: ग्राम प्रधान अफजाल अहमद ने 15 वर्षों में बदल दी तस्वीर

मुहम्मद परवेज अख्तर

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। आज हम एक ऐसे गांव की बात करेंगे जहां गंदगी का अम्बार लगता था। गंदगी के नाम से गांव को पहचाना जाता था। बीएसटी मार्ग से आने जाने वाले लोग मूंह पर कपड़ा बांध कर निकलते थे। गांव के एक हाफिज व आलिम ने गांव की हालत को बदलने के उठ खड़ा हुआ। मैं उस महान व्यक्ति अफजाल अहमद नदवी की बात कर रहा हूं। अफजाल नदवी ने 1988 गांव छोड़कर शिक्षा ग्रहण करने के लिए लखनऊ चले गये। 1989 में कुरान पाक हिफ्ज 1990 पूरा किया। उन्होंने ने 1998 आलमियत का कोर्स पूरा किया। 1998-99 में लखनऊ विश्वविद्यालय से आलिम व फाजिल-ए-अदब की डिग्री हासिल किया। गैर राजनीतिक व्यक्ति आलिम ने गांव की तस्वीर बदलने के लिए 2010 में प्रधानी चुनाव लड़ा। 2010 में पहली बार प्रधान बने तो गांव की सभी सड़कों को ठीक कराया। साथ ही बीएमसीटी मार्ग पर गंदगी को खत्म करने के लिए घर-घर शौचालय बनाया। खुले में शौच को रोकने के लिए पहरा लगा दिया। कीचड़ युक्त जलजमाव व गंदगी को खत्म किया। प्रधान के सराहनीय कार्य को देखते हुए केंद्र सरकार ने 24 अप्रैल 2016 को पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार, प्रदेश सरकार ने

19 दिसंबर 2016 को रानी लक्ष्मीबाई बीरता पुरस्कार, 18 जुलाई 2016 को प्रमुख सचिव पंचायत राज विभाग चंचल तिवारी ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। पुरस्कार मिलने व गांव में उत्कृष्ट कार्य को देखते हुए गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री के डिनर में शामिल हुए थे। ग्राम प्रधान के उत्कृष्ट कार्य को देखते हुए 2015 में ग्राम प्रधान अफजाल अहमद की पत्नी आलिया खातून को ग्रामीणों ने जनपद की पहली निर्विरोध प्रधान चुना। पांच वर्षों तक गांव चौमुखी विकास किया। 2021 के आम चुनाव में एक बार फिर ग्रामीणों ने भारी मतों से अफजाल को प्रधान पद के लिए चुन लिया। दो वर्ष के उत्कृष्ट कार्य को देखते हुए प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार देकर सम्मानित किया। 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीपति के डिनर शामिल हुए। शानदार शौचालय निर्माण पर 2024-25 को विश्व शौचालय दिवस पर मुख्य विकास अधिकारी ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया था। इस के अलावा गांव को अग्रणी बनाने के लिए शासन ने ग्राम प्रधान को 7 मार्च 2025 तेलंगाना एक्सपोजर विजिट के लिए भेजा। एक्सपोजर विजिट से लौटने व सम्मान मिलने के बाद ग्राम प्रधान ने दोहरी मेहनत से कार्य शुरू किया। उन्होंने ने गांव पहचान देने के लिए बीएमसीटी मार्ग पर डिजिटल प्रवेश द्वार बनाया, गांव के पूरब मथुरापुर रोड पर भव्य गेट का निर्माण कराया साथ ही जनपद का पहला सेल्फी पोवाइंट का निर्माण कराकर युवाओं एक पिकनिक स्पाट बना दिया। पंचायत सचिवालय पर डिजिटल बोर्ड लगाकर गांव की पहचान दिया। इस के अलावा प्राथमिक विद्यालय को कायाकल्प कर ग्रीन व क्लीन बनाया। बच्चों मनोरंजन व खेलकूद के लिए सर्कुलर स्विंग, सीसा स्विंग, सर्किल प्ले मेरी गो राउंड, प्ले ग्राउंड स्लाइड, लगवाया गया। गांव के बच्चों शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल टीबी लगकर स्मार्ट क्लास बनवाया। गांव खूबसूरती को बढ़ने के लिए पूरे गांव में दूधिया लाइट लगाकर प्रकाश से जगमगा दिया। 15 वर्षों में गांव की सुरत बदल गई। जनपद ही नहीं पूरे प्रदेश में एक आदर्श गांव के रुप में विकसित हो गया।

आवारा कुत्तों का बढ़ता आतंक, दो मासूमों पर किया हमला

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे और ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। सड़कों और गलियों में झुंड बनाकर घूम रहे कुत्तों से लोगों में दहशत का माहौल है। राह चलते लोगों पर हमला करने की घटनाएं भी बढ़ रही हैं।

सोमवार को गांव भनेड़ा निवासी आठ वर्षीय समीर घर के पास स्थित परचून की दुकान से सामान लेकर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में एक आवारा कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह कुत्ते को भगाकर बच्चे को बचाया।उधर, कस्बा एलम में चार वर्षीय नित्या अपने घर के आंगन में खेल रही थी। आरोप है कि एक आवारा कुत्ता घर के अंदर घुस आया और बच्ची पर हमला कर उसे घायल कर दिया। परिजनों ने तत्काल बच्ची को उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र मैं भर्ती कराया और एंटी रेबीज की वैक्सीन लगवाई।दोनों घायलों को कस्बा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एंटी रैबीज इंजेक्शन लगाए गए। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या पर कार्रवाई करने की मांग की है।

संतकबीरनगर पुलिस द्वारा झपटमारी के मामले से सम्बन्धित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के पर्यवेक्षण में जनपद संतकबीरनगर में अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली खलीलाबाद जय प्रकाश दुबे के नेतृत्व में गठित टीम उ0नि0 धर्मेन्द्र कुमार मिश्रा, का0 भानू प्रताप सिंह, का0 मनीष यादव, का0 राजन यादव ने मु0अ0सं0 451/2026 धारा 304(2) बीएनएस थाना कोतवाली खलीलाबाद सम्बन्धित अभियुक्त कन्हैया पुत्र राम अधारे स्थाई पता मोती नगर एनडी पांडे गली थाना कोतवाली खलीलाबाद हाल पता अग्रवाल नेत्रालय के पीछे छोटी सरौली थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर को एक अदद पीली धातु की चैन के साथ औद्योगिक क्षेत्र शमशान घाट के पास से गिरफ्तार किया गया है । दिनाँक 01.06.2026 को वादी श्री विष्णु सिंह पुत्र प्रताप भानु सिंह निवासी केसार थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर द्वारा थाना कोतवाली खलीलाबाद पर प्रार्थना पत्र दिया गया कि दिनांक 30.05.2026 को लगभग 11 बजे दिन में मेंहदावल बायपास पर छोला भटूरा खा रहा था तभी 01 अज्ञात व्यक्ति द्वारा मुझसे हाथापाई करते हुए झपट्टमारी करके मेरे गले से सोने का चैन छीन कर भाग गया । मेरे चैन की कीमत लगभग 02 लाख से ऊपर की है । उक्त प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना कोतवाली खलीलाबाद पर मु0अ0सं0 451/2026 धारा 304(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया था । साक्ष्य संकलन के आधार पर अभियोग उपरोक्त में धारा 317(2) बीएनएस की बढोत्तरी की गयी। अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ करने पर बताया कि दिनांक 30.05.2026 को मेंहदावल बायपास पर छोला भटूरा खा रहे एक व्यक्ति से झपट्टमारी करके उसका चैन लेकर भाग गया था ।

एचआरपी डे पर गर्भवती महिलाओं की हुई जांच, सुरक्षित मातृत्व का दिया संदेश

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सोमवार को एचआरपी,हाई रिस्क प्रेग्नेंसी डे के अवसर पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में में गर्भवती महिलाओं ने पहुंचकर स्वास्थ्य जांच कराई। इस दौरान चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों ने महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी जांचें कर उन्हें सुरक्षित मातृत्व के प्रति जागरूक किया।शिविर में गर्भवती महिलाओं का ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन, वजन, रक्त की जांच सहित अन्य आवश्यक परीक्षण किए गए। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने महिलाओं की स्वास्थ्य स्थिति का मूल्यांकन कर संभावित जोखिमों की पहचान करने का प्रयास किया, ताकि समय रहते उचित उपचार और निगरानी सुनिश्चित की जा सके।शिविर में चिकित्सक डॉ. विरेन्द्र सिह ने बताया कि एचआरपी डे का मुख्य उद्देश्य हाई रिस्क प्रेग्नेंसी वाली महिलाओं की पहचान कर उन्हें विशेष चिकित्सकीय निगरानी में रखना है। शिविर के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों ने महिलाओं को आयरन, कैल्शियम और अन्य आवश्यक दवाओं के नियमित सेवन के बारे में जागरूक किया। शिविर में आशा कार्यकर्ता, एएनएम और स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

कागजों में 48 डिसमिल कब्रिस्तान मौके पर 100 डिसमिल कब्जा

धनदयाल पांडेय

कुशीनगर(वेलकम इंडिया)। एक तरफ जहां सुबे की मुखिया योगी आदित्यनाथ मठ मंदिर आदि जमीनों को अवैध कब्जा मुक्त करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन कुछ अधिकारी उनके मनसूबे पर पानी फिरने में लगे और मठ मंदिर की जमीनों को अवैध कब्जा मुक्त करने के बजाय मौन धारण कर दबंगों तथा अवैध कब्जाधारियों का हौसले बुलंद करने में लगे।

महंथ रूद्रानंद गिरी ने मामले को हाईकोर्ट पहुचाया

जी हां हम बात कर रहे हैं सनातनी व्यवस्था में यूपी बिहार के सीमा पर स्थित डुमरिया मठ से संबंधित कागजों की हेराफेरी का मामला दिन प्रति दिन बढता जा रहा है। मठ के महंथ रूद्रानंद गिरी ने कहा कि आज भी मठ की भूमि के साथ छेड़छाड़ साफ दिख रही। उन्होंने कहा कि आप देख सकते हैं कि हमारे ग्राम डुमरिया मठ में अभी भी कब्रिस्तान की भूमि कागज में 48 डिसमिल है जबकि मौके पर 100 डिसमिल कब्जा किया गया है लेकिन कोई पूछने वाला नहीं है। हालांकि कि महंथ ने इस हेराफेरी से संबंधित वाद हाई कोर्ट में दाखिल किया है जिसमें कार्यवाही चल रही है।

दफ्तरों की शोभा बढ़ा रही है फाइले अधिकारी मौन

दूसरी तरफ मठ की प्रमाणिकता के लिए उन्होंने मंडलायुक्त गोरखपुर को पत्र देकर पूरातत्व विभाग से जांच कराने की मांग भी किया है और मंडलायुक्त ने डीएम कुशीनगर को जांच हेतु आदेश जारी किया फिर डीएम कुशीनगर के आदेश के बाद भी करीब तीन चार माह से वह फाइल तहसीलदार तमकुहीराज के कार्यालय की शोभा बढ़ा रही है।

महंत को नहीं मिली मठ की जमीन अधिकारियों पर लगा रहा है लापरवाही का आरोप

तहसीलदार तमकुहीराज द्वारा जांच में देरी से एक तरफ मठ के आस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है दूसरी तरफ सरकार की सुस्त कार्यवाही को भी दर्शा रहा है।

कुल मिलाकर अगर धर्म और आस्था से जुड़े इस प्रकरण पर समय रहते ध्यान नही दिया गया तो संभव है विरोधी कागजों में हेराफेरी कर अपने मंसूबे में कामयाब हो सकते हैं। ऐसा लोगों को कहना।

दैवीय आपदा पीड़ित परिवारों को मिली राहत, विधायक अंकुर राज तिवारी ने सौंपे चार-चार लाख के चेक

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र में दैवीय आपदा के कारण जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को रविवार को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। सदर विधायक अंकुर राज तिवारी ने प्रभावित गांवों का दौरा कर मुख्यमंत्री राहत कोष से स्वीकृत चार-चार लाख रुपये के चेक परिजनों को सौंपे तथा उन्हें ढांढस बंधाया। ग्राम महुई निवासी अजय कुमार यादव की बाउंड्री वॉल गिरने से हुई मौत तथा ग्राम कोनी निवासी रमाकांत यादव की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से हुई मृत्यु के बाद विधायक उनके घर पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिवारों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। विधायक अंकुर तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार आपदा प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। किसी भी पीड़ित परिवार को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र परिवारों को अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ भी समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जाए। उपजिलाधिकारी सदर हृदय नारायण त्रिपाठी ने राहत वितरण प्रक्रिया की जानकारी देते हुए प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इसके बाद विधायक गंगा देवरिया पहुंचकर स्व. जितेंद्र सिंह के परिजनों से भी मिले और उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष जगदंबा लाल श्रीवास्तव, राम कृपाल गौड़, हेमंत सिंह, भाजपा बूथ अध्यक्ष रामाज्ञा चौधरी, राकेश यादव, कन्हैया यादव, दसई यादव, विजय यादव, हल्का लेखपाल प्रदीप सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

हीट वेव से राहत के लिए नगर निगम की पहल तेज, महापौर ने जीपीओ के पास कूलिंग पॉइंट का किया उद्घाटन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

लखनऊ। भीषण गर्मी और हीट वेव के प्रभाव से नागरिकों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से नगर निगम लखनऊ द्वारा शहर के विभिन्न प्रमुख स्थलों पर कूलिंग पॉइंट स्थापित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को महापौर सुषमा खर्कवाल ने विधानसभा के समीप जीपीओ के पास बनाए गए कूलिंग पॉइंट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर नगर निगम के अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव, अधिकारी एवं स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे।

महापौर सुषमा खर्कवाल ने बताया कि इससे पूर्व भी नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर कूलिंग पॉइंट स्थापित किए जा चुके हैं। पॉलीटेक्निक चौराहा, कुर्सी रोड स्थित सृष्टि अपार्टमेंट, 1090 चौराहा तथा लालबाग स्थित नगर निगम मुख्यालय सहित कई स्थानों पर यह व्यवस्था शुरू की गई है। व गोमती नगर के पत्रकारपुरम चौराहा, जीएसटी भवन तथा अन्य प्रमुख स्थलों पर भी कूलिंग पॉइंट स्थापित किए जा रहे हैं, ताकि गर्मी से परेशान लोगों को राहत मिल सके।

मिट्टी और जूट से निर्मित संरचना देती है प्राकृतिक शीतलता

अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि कूलिंग पॉइंट की दीवारों एवं छत का निर्माण मिट्टी और जूट जैसी पर्यावरण अनुकूल सामग्री से किया गया है। इस विशेष संरचना के कारण अंदर का तापमान अपेक्षाकृत कम बना रहता है और भीषण गर्मी में भी लोगों को प्राकृतिक रूप से ठंडा वातावरण उपलब्ध होता है।

राहगीरों के लिए उपलब्ध हैं आवश्यक सुविधाएं

नगर निगम द्वारा स्थापित कूलिंग पॉइंट्स पर बेड, सोफा, कुर्सियां, पंखे, कूलर, मटकों में शीतल पेयजल तथा खाने के लिए गुड़ जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य राहगीरों, श्रमिकों, रिक्शा चालकों और खुले में कार्य करने वाले लोगों को गर्मी से राहत प्रदान करना है।

रैनबसेरों में भी बढ़ाई गई सुविधाएं

नगर निगम द्वारा संचालित 24 रैनबसेरों को भी हीट वेव से राहत केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। इन रैनबसेरों में पहले से उपलब्ध बेड सुविधा के साथ अब स्वच्छ एवं ठंडे पेयजल की व्यवस्था भी की गई है। दोपहर की तेज धूप के दौरान नागरिक यहां विश्राम कर सकते हैं और गर्मी के दुष्प्रभावों से बचाव कर सकते हैं।

150 से अधिक स्थानों पर शीतल जल की व्यवस्था

महापौर सुषमा खर्कवाल ने बताया कि जलकल विभाग के सहयोग से शहर के 150 से अधिक स्थानों पर कैनोपी लगाकर शीतल पेयजल की व्यवस्था की गई है।

इन जलपान केंद्रों पर मटकों में स्वच्छ पानी उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे राहगीरों एवं श्रमिकों को गर्मी के दौरान राहत मिल रही है। महापौर ने कहा कि नगर निगम का प्रयास है कि बढ़ती गर्मी के बीच शहरवासियों को अधिकतम राहत उपलब्ध कराई जाए तथा हीट वेव के प्रभाव को कम करने के लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

मुरादाबाद देहात सीट पर सुभासपा का बड़ा दांव, रवि चौधरी बने चुनाव प्रभारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने मुरादाबाद देहात सीट पर बड़ा दांव चला है। पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति ने जिलाध्यक्ष रवि चौधरी को देहात विधानसभा का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है।

64 सीटों पर विशेष फोकस

सुभासपा ने प्रदेश में राजनीतिक समीकरणों का आकलन कर 64 विधानसभा सीटें चिन्हित की हैं। इन सीटों पर पार्टी विशेष फोकस के साथ तैयारी कर रही है।

वहीं 32 महत्वपूर्ण सीटों पर प्रभारियों की नियुक्ति कर संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय किया जा रहा है। मुरादाबाद देहात सीट इसी रणनीति का हिस्सा है।

जमीनी पकड़ को मिली तरजीह

रवि चौधरी लंबे समय से संगठन को मजबूती देने और जनसंपर्क अभियान में सक्रिय हैं। जमीनी कार्यकताओं के बीच उनकी मजबूत पकड़ और क्षेत्र में बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए राष्ट्रीय कार्यसमिति ने उन पर भरोसा जताया है। प्रभारी बनने के बाद कार्यकताओं में उत्साह है।

रवि चौधरी ने जताया आभार

प्रभारी बनाए जाने पर रवि चौधरी ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर का आभार जताया। उन्होंने कहा कि जो जिम्मेदारी मिली है उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे। मुरादाबाद देहात क्षेत्र में पार्टी को मजबूत करना और जनता की आवाज को विधानसभा तक पहुंचाना प्राथमिकता होगी।

ग्रामीण और पिछड़े वर्ग पर फोकस

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि रवि चौधरी के नेतृत्व में पार्टी ग्रामीण क्षेत्रों, पिछड़े वर्गों, युवाओं और स्थानीय कार्यकताओं को एकजुट कर मजबूत चुनावी माहौल बनाएगी। सुभासपा इस बार यूपी चुनाव में पूरी मजबूती से उतरने की तैयारी में है और संगठनात्मक फैसले बड़ा असर डाल सकते हैं।

डीएपी-यूरिया की किल्लत पर गरजे किसान, समस्याओं के समाधान की उठाई मांग

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान संघ की ओर से किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर गांव पंजोखरा में बैठक आयोजित की गई। बैठक में फसलों की बुवाई के समय डीएपी और यूरिया की कमी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। पदाधिकारियों ने किसानों को समय पर खाद और बीज उपलब्ध कराने की मांग करते हुए सरकार से समस्या के समाधान के लिए ठोस कदम उठाने का आह्वान किया।सोमवार को गांव पंजोखरा में मनोज कुमार के आवास पर आयोजित बैठक में भारतीय किसान संघ के ब्लॉक अध्यक्ष निर्वास शर्मा ने कहा कि किसान खाद लेने के लिए घंटों कतारों में खड़े रहने को मजबूर हैं, इसके बावजूद उन्हें जरूरत के अनुसार खाद नहीं मिल पा रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में किसान कई तरह की समस्याओं से जूझ रहा है।

जिला मंत्री देशराज शर्मा ने कहा कि किसानों को समय पर खाद और बीज उपलब्ध न होना गंभीर समस्या है। अन्नदाता अपनी फसलों की बेहतर पैदावार के लिए सहकारी समितियों के चक्कर काटता है और फसल तैयार होने के बाद उसे बेचने के लिए भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि सरकार को किसानों की समस्याओं पर गंभीरता से विचार कर उनका समाधान करना चाहिए।बैठक में संगठन विस्तार पर भी चर्चा की गई।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित यूपी बोर्ड परीक्षा के मेधावी छात्र/छात्राओं के सम्मान समारोह

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित यूपी बोर्ड परीक्षा के मेधावी छात्र/छात्राओं के सम्मान समारोह में बाघनगर बाजार स्थित मुस्लिम इ.हायर सेकेंड्री स्कूल की छात्रा अदीबा खातून को मेंहदावल विधायक अनिल त्रिपाठी तथा जिलाधिकारी आलोक कुमार द्वारा अन्य 10 टॉपर छात्र छात्राओं के साथ 21 हजार का चेक तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

अदीबा खातून की इस सफलता पर विद्यालय समेत तप्पा उजियार के लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है।अदीबा खातून की इस सफलता ने अन्य बच्चों को बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए प्रेरित किया है।जिला पंचायत अध्यक्ष बलिराम यादव, मुख्य विकास अधिकारी तथा जिला विद्यालय निरीक्षक समेत अन्य अधिकारियों की उपस्थित में अदीबा ने सम्मान मिलने पर हर्ष व्यक्त किया है तथा सभी का आभार जताया है। विद्यालय प्रबंधक मोहम्मद अदनान, संचालक गुफरान आजम, आमिर दुर्रानी, शाहिद अली, जाहिद हुसेन, रामकेश, अनुज कुमार, विजय कुमार, रोहित कुमार आदि ने अदीबा खातून की इस सफलता पर हर्ष जताया है तथा मुबारकबाद दी है।

भैंसा बुग्गी की चपेट में आकर छह वर्षीय बच्ची घायल

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के कस्बा एलम में भैंसा बुग्गी की चपेट में आने से छह वर्षीय बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। सोमवार को कस्बा एलम निवासी राजन की छह वर्षीय बेटी कनक घर के बाहर गली में खेल रही थी। इसी दौरान एक युवक भैंसा बुग्गी लेकर वहां से गुजर रहा था।

आरोप है कि लापरवाही से बुग्गी चलाने के कारण बच्ची उसकी चपेट में आ गई और गंभीर रूप से घायल हो गई।परिजनों का आरोप है कि हादसे के बाद विरोध करने पर आरोपी ने कार्रवाई करने पर जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गया।

शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे तथा घायल बच्ची को नगरके सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।पीड़ित पिता ने आरोपी के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सहारनपुर में पत्रकारों ने बनाया नया संगठन, आलोक अग्रवाल सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष निर्वाचित

पत्रकार हितों की रक्षा, एकजुटता और निष्पक्ष पत्रकारिता को बढ़ावा देने का लिया संकल्प

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। पत्रकारों की एक महत्वपूर्ण बैठक अंबाला रोड स्थित एक होटल में आयोजित की गई ! जिसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े पत्रकारों ने भाग लिया। बैठक में पत्रकार हितों, संगठनात्मक मजबूती तथा मीडिया जगत की वर्तमान चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा के बाद सर्वसम्मति से एक नए पत्रकार संगठन का गठन किया गया। संगठन के गठन को लेकर लंबे समय से चल रही चचाओं के बीच पत्रकारों ने एकजुटता का परिचय देते हुए नई कार्यकारिणी का चयन किया।

बैठक में सर्वसम्मति से वरिष्ठ पत्रकार आलोक अग्रवाल को संगठन का जिलाध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा प्रशांत त्यागी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कमल गर्ग एवं मोहम्मद फारूख को जिला उपाध्यक्ष, मनोज मिड्ढा को जिलामहासचिव (प्रशासनिक), अबलीश गौतम को संगठन मंत्री, सचिन तनेजा को उप संगठन मंत्री, मुराद अली को उप संगठन मंत्री,मोनू कुमार को महासचिव, मुकेश मनवाल, महेश रजवाल, विनय जैन तथा मोहम्मद अली मिर्जा को सचिव बनाया गया। वहीं फरहत अली , दिनेश मौर्य को सदस्य तथा मनदीप शर्मा को देवबंद क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त किया गया।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का उपस्थित पत्रकारों ने फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया तथा संगठन के सफल संचालन की शुभकामनाएं दीं। बैठक के दौरान पत्रकारों ने कहा कि बदलते दौर में पत्रकारिता अनेक चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे समय में एक मजबूत और सक्रिय संगठन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जो पत्रकारों के हितों की रक्षा करने के साथ-साथ उनके अधिकारों और समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने का कार्य कर सके।

नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष आलोक अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य पत्रकारों को एक मंच पर लाकर उनकी समस्याओं का समाधान करना, पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा करना तथा निष्पक्ष और जिम्मेदार पत्रकारिता को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने कहा कि संगठन किसी व्यक्तिगत हित के लिए नहीं बल्कि पत्रकार समाज के सामूहिक हितों के लिए कार्य करेगा। वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रशांत त्यागी ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ हैं और समाज को सही दिशा देने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि संगठन पत्रकारों के बीच आपसी समन्वय और भाईचारे को मजबूत करेगा। साथ ही पत्रकारों के प्रशिक्षण, सामाजिक सरोकारों और जनहित के मुद्दों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी पत्रकारों को एकजुट होकर पत्रकारिता की गरिमा और विश्वसनीयता को बनाए रखने के लिए कार्य करना होगा। जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद फारूख ने कहा कि पत्रकार समाज का दर्पण होता है और उसकी जिम्मेदारी केवल समाचार देना नहीं बल्कि सच को सामने लाना भी है। उन्होंने कहा कि नया संगठन पत्रकारों की आवाज को मजबूती प्रदान करेगा और किसी भी पत्रकार के साथ अन्याय होने पर उसके साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी पत्रकारों से सक्रिय सहयोग की अपील की। बैठक में उपस्थित पत्रकारों ने संगठन को पूरी निष्ठा और पारदर्शिता के साथ संचालित करने का संकल्प लिया। साथ ही निर्णय लिया गया कि जल्द ही संगठन का विस्तार करते हुए जिले की सभी तहसीलों और नगरों में इकाइयों का गठन किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक पत्रकारों को संगठन से जोड़ा जा सके। बैठक का समापन पत्रकार एकता, निष्पक्ष पत्रकारिता और पत्रकार हितों की रक्षा के संकल्प के साथ हुआ। उपस्थित सभी पत्रकारों ने नए संगठन के माध्यम से पत्रकार समाज के उत्थान और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने का भरोसा जताया।

मेरठ के 14 छात्रों ने JEE Advanced 2026 में लहराया परचम, आकाश इंस्टीट्यूट का शानदार प्रदर्शन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। देश की सबसे प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा खएए Advanced 2026 में मेरठ के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (AESL), मेरठ के कुल 14 छात्रों ने परीक्षा में सफलता हासिल की है। संस्थान के अनुसार, हर्षित गोयल ने ऑल इंडिया रैंक (AIR) 393 प्राप्त कर मेरठ में सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। इसके अलावा अपूर्वा गुप्ता (AIR 1471), आदित्य परमार (AIR 3491), श्रेयस वर्मा (AIR 3651) और अभिनीत सिंह (AIR 4329) सहित कई छात्रों ने उत्कृष्ट रैंक हासिल की। संस्थान ने बताया कि छात्रों की सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत, नियमित अभ्यास, अनुभवी फैकल्टी का मार्गदर्शन और मजबूत शैक्षणिक वातावरण रहा। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय शिक्षकों, अभिभावकों और आकाश के अकादमिक सपोर्ट सिस्टम को दिया। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के क्षेत्रीय निदेशक ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि छात्रों की लगन, अनुशासन और निरंतर मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि संस्थान भविष्य में भी छात्रों को बेहतर मार्गदर्शन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता रहेगा।

महथा अण्डरपास से 12 घंटे में निकला पानी, ट्विटर एक्स के सूचना पर हरकत में आया रेलवे प्रशासन

असदुल्लाह सिद्दीकी

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। गोरखपुर-बढ़नी-गोंडा रेलवे खण्ड मार्ग शोहरतगढ़ परसा स्टेशन के बीच हाल्ट रेलवे स्टेशन महथा बाजार के रेलवे अण्डरपास में कई दिनों से पानी भरा हुआ है, ग्रामीणों व स्थानीय नागरिकों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। जिसको देखते हुए 31 मई शाम को सिद्धार्थ वेलफेयर सोसाइटी द्वारा ट्विटर (एक्स) पर रेल प्रशासन को समस्या से अवगत कराया गया, जो 12 घंटे के भीतर ही महथा गांव जाने वाले मार्ग के अण्डरपास से पानी निकाल शुरू हो गया है।

विगत कई दिनों से गोरखपुर-बढ़नी रेल मार्ग पर हाल्ट रेलवे स्टेशन महथा बाजार के समीप LHS-73 महथा अण्डरपास में कई दिनों से पानी भरा हुआ था, जिससे क्षेत्र के महथा, लेदवा, गजहड़ा, सेंगवार, बौड़री, नहरी आदि गांवों से आने-जाने वाले स्थानीय नागरिकों को आने-जाने में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा था। स्थानीय नागरिकों द्वारा शिकायत करने पर पानी निकासी नहीं हो रही थी। महथा ग्राम प्रधान प्रतिनिधि शेख मोहम्मद आसिम उर्फ नैय्यर के सूचना पर सिद्धार्थ वेलफेयर सोसाइटी संस्था के प्रबन्धक वकार मोइज खां ने डीआरएम लखनऊ, रेल मदद, रेल मंत्रालय व रेलवे के उच्च अधिकारियों को ट्विटर (एक्स) के माध्यम से समस्या से अवगत कराया।

डीआरएम प्रयागराज, रेल मदद ने सम्बन्धित अधिकारियों को अण्डरपास से पानी निकालने के लिए रेलवे के कर्मचारियों को निर्देशित किया, जिसको लेकर 12 घंटे के भीतर ही पानी निकालना शुरू हो गया।

इस अवसर पर ग्राम महथा के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि महथा शेख मोहम्मद आसिम, संजय श्रीवास्तव, राजकिशोर चौधरी, रामवृक्ष यादव, अंकित भारती, रामकान्त यादव, अरविन्द भारती, धर्मेन्द्र कुमार, अब्दुल वदूद, मोहम्मद् सलमान आदि ग्रामीणों ने सिद्धार्थ वेलफेयर सोसाइटी संस्था व रेलवे प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

नाबालिग से दुष्कर्म के मुकदमें में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। सहारनपुर जनपद की थाना कोतवाली देहात पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मुकदमें में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। बता दे कि दिनांक 31.05.2026 को वादिया ने लिखित तहरीर देकर अभियुक्त आकिल पुत्र वहीद निवासी ग्राम घोघरेकी थाना कोतवाली देहात जिला सहारनपुर पर उसकी नाबालिग पुत्री के साथ दुष्कर्म करने के सम्बंध में थाना कोतवाली देहात पर पोक्सो एक्ट में मामला पंजीकृत कराया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सहारनपुर द्वारा तत्काल घटना का संज्ञान लेकर अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु आदेश-निर्देश दिये थे। आदेश के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक हृदय नारायण सिंह के कुशल नेतृत्व में आज थाना कोतवाली देहात पुलिस ने मुकदमा उपरोक्त में वांछित अभियुक्त आकिल पुत्र वहीद निवासी ग्राम घोघरेकी थाना कोतवाली देहात जिला सहारनपुर को दूधली फाटक के पास से गिरफ्तार किया है।

मेरठ की नेशनल कबड्डी खिलाड़ी अनुष्का केस में बड़ा ट्विस्ट !

44 दिन बाद बरामद शव पर परिवार ने उठाए गंभीर सवाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। मेरठ के कंकरखेड़ा क्षेत्र में चर्चित नेशनल कबड्डी खिलाड़ी अनुष्का प्रकरण में नया मोड़ सामने आया है। सोमवार को अनुष्का का परिवार सैकड़ों ग्रामीणों के साथ एसएसपी कार्यालय पहुंचा और पुलिस के खुलासे पर सवाल खड़े कर दिए। अनुष्का की मां का दावा है कि पुलिस ने जिस शव को उनकी बेटी का बताया है, वह अनुष्का का नहीं है। परिवार का कहना है कि अनुष्का लंबे बाल नहीं रखती थी, जबकि बरामद शव में लंबे बाल मिले हैं।

इसके अलावा अनुष्का सामान्यतः जींस नहीं पहनती थी, जबकि शव पर जींस मिली थी। परिजनों ने मांग की है कि अनुष्का की वास्तविक बरामदगी की जाए और मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। वहीं ग्रामीणों ने भी पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि शव अनुष्का का नहीं है तो फिर वह कहां है ? गौरतलब है कि पुलिस ने देर रात एक शव बरामद कर उसे अनुष्का का बताते हुए खुलासा किया था। पुलिस के अनुसार एक चाऊमीन विक्रेता ने 3600 रुपये के विवाद में हत्या की वारदात को अंजाम दिया था।

पहासू को अतिक्रमण मुक्त बनाने की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

पहासू। नगर के सार्वजनिक मार्गों पर बढ़ते अतिक्रमण को लेकर अधिवक्ता एडवोकेट पुनीत शर्मा ने प्रशासन से आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सड़कें और मार्ग आम जनता की सुविधा के लिए होते हैं, जिन पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा लोगों के आवागमन में बाधा उत्पन्न करता है।

पहासू निवासी एडवोकेट पुनीत शर्मा ने बताया कि विशेष रूप से डाकखाने वाली गली सहित नगर के विभिन्न सार्वजनिक मार्गों पर हो रहे अतिक्रमण के संबंध में संबंधित विभाग को शिकायत भेजी गई है। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण के कारण राहगीरों, व्यापारियों एवं वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने प्रशासन से मांग की कि नगर में चिन्हित स्थानों पर अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया जाए, जिससे आम जनता को राहत मिल सके और यातायात व्यवस्था सुचारू हो सके। उन्होंने कहा कि स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक पहासू का निर्माण सभी की जिम्मेदारी है तथा नगर की अन्य जनसमस्याओं के समाधान के लिए भी निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

नगर में स्वच्छता सर्वेक्षण शुरू, क्यू सी आई टीम ने सफाई व्यवस्था का किया गहन निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। नगर पालिका परिषद जहांगीराबाद में स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान की औपचारिक शुरूआत हो गई है। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा आयोजित इस देशव्यापी सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग प्राप्त करने के उद्देश्य से क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (QCI) की टीम नगर की सफाई व्यवस्था का बारीकी से मूल्यांकन कर रही है।

क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (QCI) की टीम ने नगर के विभिन्न वार्डों, प्रमुख बाजारों, सार्वजनिक स्थलों और मुख्य मार्गों का औचक दौरा किया। टीम द्वारा मुख्य रूप से डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहणः कचरा उठाने की प्रक्रिया और समयबद्धता की जांच।

(नालों की सफाई) जल निकासी व्यवस्था और स्वच्छता का स्तर।

(सार्वजनिक सुविधाएं) नगर में स्थित सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति एवं रख-रखाव। (कचरा प्रबंधन) कूड़े के निस्तारण और कचरा प्रबंधन संयंत्रों की कार्यक्षमता पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। स्वच्छता सर्वेक्षण में नगर को बेहतर स्थान दिलाने के लिए नगर पालिका प्रशासन पूरी तरह से सक्रिय नजर आ रहा है।

नगर पालिकाध्यक्ष किशनपाल लोधी ने बताया कि सर्वेक्षण की तैयारियों को लेकर विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका का लक्ष्य जहांगीराबाद को स्वच्छ और सुंदर बनाना है। साथ ही नगरवासियों से अपील करते हुए कहा, 'स्वच्छता केवल प्रशासन का ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। हम सभी का सहयोग ही नगर को रैंकिंग में शीर्ष पर ले जा सकता है। कृपया गीले और सूखे कूड़े को निर्धारित स्थानों पर ही डालें और सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग से बचें।' स्वच्छ सर्वेक्षण केंद्र सरकार के 'स्वच्छ भारत मिशन' का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके माध्यम से देश के शहरों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया जाता है। शहरों को उनके कचरा प्रबंधन, सफाई के स्तर और स्वच्छता के प्रति नागरिकों की जागरूकता एवं सहभागिता के आधार पर अंक दिए जाते हैं और उसी के अनुसार उनकी राष्ट्रीय रैंकिंग तय की जाती है।

शान्ति भंग की आशंका में नौ अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। थाना फतेहपुर पुलिस ने शान्ति भंग की आशंका में नौ अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। बता दे कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सहारनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम व कानून एवं शान्ति व्यवस्था हेतु जनपदीय पुलिस द्वारा लगातार संघन चैकिंग की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी सदर के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक फतेहपुर वीरेन्द्र सिंह राणा के कुशल नेतृत्व में आज थाना फतेहपुर पुलिस ने चैकिंग व गश्त के दौरान प्रथम पक्ष के अब्दुल रहमान पुत्र बाबू, बाबू पुत्र फैयाज, मोहसिन पुत्र रागिव, समद पुत्र लियाकत, सूफियान पुत्र रागिव निवासीगण ग्राम दतौली मुगल थाना फतेहपुर जिला सहारनपुर तथा द्वितीय पक्ष के बाबर पुत्र मंगता, रागिब पुत्र महफूज, आमिर पुत्र मंगता, याकूब पुत्र हसमत निवासीगण ग्राम दतौली मुगल थाना फतेहपुर जिला सहारनपुर के बीच पूर्व से पंजीकृत मुकदमें को लेकर आपस में झगडा-फसाद कर रहे थे, शान्ति व्यवस्था भंग होने की पूर्ण सम्भावना के दृष्टिगत उपरोक्त दोनों पक्षों को ग्राम दतौली मुगल से अन्तर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस के गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तगणों के विरूद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही कर मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

सिद्धार्थ कौशिक डेटा साइंस में डिप्लोमा से अलंकृत

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना/बुलंदशहर। नगर के चिकित्सक दंपति डॉ मनोज कुमार शर्मा और डॉ हेमा शर्मा के पुत्र सिद्धार्थ कौशिक ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई टी) मद्रास पूर्व में प्रोग्रामिंग के साथ-साथ अब डेटा साइंस में भी डिप्लोमा प्राप्त कर क्षेत्र का नाम उज्ज्वल कर दिया। दोहरी योग्यता से उनका व्यावसायिक क्षितिज और भी विस्तृत हुआ है।

बाल्यकाल से मेधावी और बहुमुखी प्रतिभा के धनी सिद्धार्थ को मेधा विरासत में मिली। माता-पिता के चिकित्सा क्षेत्र से अलग राह पर चले सिद्धार्थ ने कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग में बीटेक किया। प्राथमिक शिक्षा नगर के बीडीएम पब्लिक स्कूल, तत्पश्चात सेंट मैरीज कान्वेंट स्कूल गजरौला से हाईस्कूल एवं तदोपरान्त डीपीएस बुलन्दशहर से मैथमेटिक्स एवं साइंस में इंटरमीडिएट करने वाले सिद्धार्थ ने इंग्लिश जैसे विषय में भी

शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किये। वे सदैव अपनी कक्षा के टॉपर रहे। 10वीं और 12वीं दोनों बोर्ड की परीक्षाओं में उन्हें सीबीएसई की तरफ से उत्कृष्टता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में भी वह जनपद के टॉपर्स में से रहे। दसवीं के स्तर तक मैथमेटिक्स ओलिंपियाड में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें अच्छी रैंकिंग मिलती रही। विभिन्न प्रतिष्ठित मीडिया समूहों, केंद्रीय मंत्रियों, विधायकों, जेपी इंस्टिट्यूट ऑफ इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (डीम्ड यूनिवर्सिटी), शिव नाडर विश्वविद्यालय एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों से अनेक बार सम्मानित सिद्धार्थ ने गत वर्ष हुए राष्ट्रीय एआई ओलिंपियाड में उत्तर प्रदेश में तीसरी और भारतवर्ष में 13 वीं रैंक प्राप्त की थी। वर्तमान में वे विश्व प्रसिद्ध फिनटेक कंपनी पेटीएम में सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं।

डिप्लोमा प्राप्त होने की खुशी पर सिद्धार्थ का विनम्रता से कहना है कि अभी ये मेरे जीवन की मंजिल नहीं, बल्कि एक पड़ाव है। सिद्धार्थ अब तक की अपनी सफलता में अपने दादाश्री डॉ बाबूराम शर्मा का मार्गदर्शन, माताश्री डॉ हेमा शर्मा की कड़ी मेहनत, त्याग एवं लगन और पिताश्री डॉ मनोज कुमार शर्मा के लिए संस्कार और अनुशासन को मानते हैं। डॉ हेमा शर्मा का सिद्धार्थ का चिकित्सा से अलग क्षेत्र चुनने पर कहना है कि हमें बच्चों को उनके हिस्से का आकाश छूने देना चाहिए, न कि अपनी महत्वाकांक्षाएं थोपनी चाहिए।

गाड़ी खड़ी करने को लेकर विवाद, चालक से मारपीट

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव नाला में गाड़ी खड़ी करने को लेकर हुए विवाद में दो लोगों ने एक चालक के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। सोमवार को थाना क्षेत्र गांव नाला निवासी अंकित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने अपनी गाड़ी पड़ोसी युवक के मकान की दीवार के पास खड़ी कर दी थी। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत करा दिया। आरोप है कि कुछ समय बाद दो युवक वहां पहुंचे और उसके साथ गाली–गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर दोनों ने मिलकर उसके साथ मारपीट कर दी, जिससे वह घायल हो गया। शोर–शराबा होने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद आरोपी वहां से फरार हो गए। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पुलिस ने धोखाधडी के मुकदमें में वांछित एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। थाना कोतवाली देहात पुलिस ने धोखाधडी के मुकदमें में वांछित एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। बता दे कि सलीम पुत्र अब्दुल वाहिद निवासी ग्राम महेश्वरी खुर्द थाना कोतवाली देहात जिला सहारनपुर ने थाने में लिखित तहरीर देकर अभियुक्त मुजयन पुत्र मुस्तकीम निवासी चौधरी विहार थाना कोतवाली देहात सहारनपुर आदि पर उसके साथ धोखाधड़ी कर फर्जी प्लाट दिखाकर कुल 12 लाख रुपये (चार लाख रुपये बयाना, पांच लाख रुपये फर्जी मालिक मुकेश के माध्यम से व तीन लाख रुपये अतिरिक्त) हड़प लेने के सम्बन्ध में थाना कोतवाली देहात पर मु0अ0स0 206/2026 धारा 318(4)/319(2)/351(2)/3

(5) बीएनएस में मामला पंजीकृत कराया था। वही दूसरी ओर दिनांक 16.05.2026 को वादी फरमान पुत्र फुरकान निवासी नूर बस्ती सहारनपुर ने लिखित तहरीर देकर उक्त अभियुक्त मुजयन पुत्र मुस्तकीम निवासी चौधरी विहार थाना कोतवाली देहात सहारनपुर आदि पर ही उसके साथ धोखाधड़ी कर 180 वर्ग गज का फर्जी प्लाट दिखाकर कुल 4 लाख 30,000 रुपये हड़प लेने, फर्जी चेक देने व बाद में पैसे वापस मांगने पर रसूलपुर में रोककर वादी के साथ मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने की सूचना के सम्बध में थाना कोतवाली देहात पर बीएनएस के तहत मामला पंजीकृत कराया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सहारनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम व वांछित/वारण्टी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक हृदय नारायण सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना कोतवाली देहात पुलिस ने उपरोक्त मुकदमों में वांछित अभियुक्त मुजयन पुत्र मुस्तकीम निवासी चौधरी विहार थाना कोतवाली देहात सहारनपुर को मढ तिराह के पास से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही कर समय से माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

समर कैंप का भव्य समापन, प्रतिभा और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ. के. एन. मोदी ग्लोबल स्कूल समूह की विभिन्न शाखाओं में आयोजित समर कैंप का भव्य समापन उत्साह, उमंग और रचनात्मक प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हुआ। समापन समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं केक कटिंग के साथ हुआ, जिसने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। इस अवसर पर मोदी फाउंडेशन के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. दीपांकर शर्मा, मोदी फाउंडेशन की चीफ एडवाइजर श्रीमती रीता बक्शी, श्रीमती आशा मलिक, गिन्नी देवी कॉलेज की प्राचार्या डॉ. पूनम शर्मा, बी.एड. कॉलेज की प्राचार्या मिस एकता भारद्वाज, प्रिटी पेंगुइन शाखा की एच.एम. मिस प्रेरणा वर्मा तथा टेक्सटाइल शाखा की एच.एम. मिस सपना खुराना की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने प्रतिभागियों के उत्साह, रचनात्मकता एवं सीखने की ललक की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। समर कैंप के दौरान माताओं एवं विद्यार्थियों के लिए अनेक रोचक, ज्ञानवर्धक एवं कौशल आधारित गतिविधियों का आयोजन किया गया। माताओं ने कैनवास पेंटिंग, कुकरी, बेकरी, स्विमिंग, नृत्य एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास का परिचय दिया। वहीं विद्यार्थियों ने पूल पार्टी, कैमल राइडिंग, मैजिक शो, शैक्षणिक भ्रमण, पॉट मेकिंग तथा विभिन्न खेलकूद एवं मनोरंजक गतिविधियों का भरपूर आनंद लिया। इन गतिविधियों ने बच्चों को नई चीजें सीखने, अपनी रचनात्मकता विकसित करने और आत्मविश्वास बढ़ाने का अवसर प्रदान किया।समापन समारोह में प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक गतिविधियों, ऊर्जावान नृत्य प्रस्तुतियों एवं मनमोहक रैंप वॉक ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। प्रतिभागियों द्वारा प्रदर्शित आत्मविश्वास, रचनात्मकता और सीखने की ललक ने यह सिद्ध कर दिया कि समर कैंप केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास निर्माण और प्रतिभा निखारने का एक सशक्त मंच है। विद्यालय की प्राचार्या मिस पूजा शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ विद्यालय की शैक्षिक एवं सांस्कृतिक समृद्धि को भी नई दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि समर कैंप के माध्यम से बच्चों और माताओं को अपनी छिपी हुई प्रतिभाओं को पहचानने, नए कौशल सीखने और आत्मविश्वास के साथ स्वयं को अभिव्यक्त करने का अवसर मिला है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विद्यालय भविष्य में भी इस प्रकार के रचनात्मक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा, जिससे सीखने की प्रक्रिया कक्षा की सीमाओं से आगे बढ़कर जीवन से जुड़ सके। कार्यक्रम ने यह संदेश भी दिया कि सीखने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती और सही अवसर मिलने पर प्रत्येक व्यक्ति अपनी प्रतिभा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है।

'प्रतिभा अवसरों की मोहताज नहीं होती, वह हर मंच पर अपनी पहचान बना ही लेती है।' समर कैंप का यह समापन सभी प्रतिभागियों के लिए प्रेरणादायक, यादगार और आनंदमय अनुभव बन गया, जो उन्हें लंबे समय तक नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और सकारात्मक सीख प्रदान करता रहेगा।

बोर्ड परीक्षा में टॉप टेन में स्थान बनाने वाले छात्रों को सरकार द्वारा 21 हजार का चेक देकर किया सम्मानित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉक्टर के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर गाजियाबाद के हाई स्कूल व इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में जिले में टॉप टेन में स्थान बनाने वाले छात्रों को कलेक्ट्रेट गाजियाबाद में आयोजित एक सम्मान समारोह में 21 हजार का चेक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मादंड (आई ए एस) मुख्य विकास अधिकारी सौरभ बाबू (आई ए एस)जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर धर्मेंद्र शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से छात्रों को सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ सतीश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि विद्यालय दो छात्र हाई स्कूल में दो साथ इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में की जनपद की मेरिट में स्थान बनाने पर सोमवार को जिला प्रशासन द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य ने यह भी बताया यह मेरिट लिस्ट सरकारी और प्राइवेट विद्यालयों की संयुक्त रूप से बनाई गई थी, यदि मेरिट केवल सरकारी विद्यालयों की अलग बनाई जाती हमारे विद्यालय के चारों छात्र टॉप स्थान पर स्थान बनाते , अन्य छात्र भी टॉप टेन में स्थान बनाने में कामयाब हो जाते। विद्यालय के लगभग 33 शिक्षकों की एस आई आर में ड्यूटी लगी होने के कारण छात्रों की पढ़ाई 4 महीने बाधित रही। जबकि प्राइवेट विद्यालय में पढ़ाई नियमित होती रही इसके बावजूद विद्यालय के चार-छात्र जनपद की मेरिट में स्थान बनाने में कामयाब हो गये। यह विद्यालय के लिए बड़े गौरव की बात है। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने यह भी बताया माध्यमिक शिक्षा परिषद बोर्ड परीक्षा के सचिव से इस विषय में पत्र लिखकर शासकीय और प्राइवेट विद्यालयों की मेरिट अलग-अलग बनाने की मांग की गई है। विद्यालय की प्रबंध समिति ने भी मेरिट में स्थान बनाने वाले छात्रों को शुभकामनाएं और बधाई दी। विद्यालय आने पर विद्यालय में भी चारों छात्रों को प्रधानाचार्य और उपस्थित शिक्षकों ने प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी वह गणित प्रवक्ता राजकुमार सिंह, संजीव चौधरी, रसायन विज्ञान प्रवक्ता राजीव कुमार वर्मा उपस्थित रहे।

आरकेजीआईटी के एमबीए विभाग में एक दिवसीय मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आरकेजीआईटी के एमबीए विभाग ने 30 मई 2026 को एक दिवसीय मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन 'परिवर्तन और अनिश्चितता के दौर में एजाइल लीडरशिप' विषय पर किया। इस एमडीपी का मुख्य उद्देश्य बदलते और अनिश्चित परिस्थितियों में प्रभावी नेतृत्व कौशल विकसित करना, प्रतिभागियों में अनुकूलन क्षमता बढ़ाना तथा नेतृत्व की आधुनिक रणनीतियों को समझाना था। इस एमडीपी का उद्घाटन आरकेजीआईटी समूह के वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल, सलाहकार डॉ. लक्ष्मण प्रसाद, कार्यकारी निदेशक डॉ. डी.के. चौहान, निदेशक डॉ. बी.सी. शर्मा तथा एचओडी एमबीए डॉ. विभूति त्यागी द्वारा किया गया। आरकेजीआईटी के निदेशक डॉ. बी.सी. शर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया।

उन्होंने ऐसे महत्वपूर्ण और समसामयिक विषय पर एमडीपी आयोजित करने की पहल के लिए एमबीए विभाग की सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में तेजी से बदलते व्यावसायिक परिवेश में प्रभावी नेतृत्व और अनुकूलन क्षमता अत्यंत आवश्यक हो गई है।

डॉ. पुनीत मोहन, अध्यक्ष, सेवा संस्थान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।। डॉ. पुनीत मोहन ने एजाइल लीडरशिप की अवधारणा पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि आज के प्रतिस्पर्धी और अनिश्चित वातावरण में एक प्रभावी नेता को परिवर्तन को स्वीकार करने, टीम को प्रेरित करने, त्वरित निर्णय लेने तथा नई परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने की क्षमता विकसित करनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि एजाइल लीडरशिप संगठनों को चुनौतियों का सामना करने और अवसरों का बेहतर उपयोग करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से 25 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ. पुनीत मोहन ने प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर दिए तथा उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस कार्यक्रम का आयोजन एचओडी एमबीए डॉ. विभूति त्यागी के संरक्षण में किया गया। डॉ. शिखा मित्तल तथा विभाग के अन्य सभी संकाय सदस्यों ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। कॉलेज के सभी उच्च अधिकारियों ने विभाग को कार्यक्रम की सफलता के लिए बधाई दी।

लोनी में जीडीए ने 40 हजार वर्गमीटर में विकसित अवैध कॉलोनियां ध्वस्त

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। अवैध कॉलोनियों और अनधिकृत निमार्णों के खिलाफ गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने सोमवार को लोनी क्षेत्र में बड़ा ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने ग्राम मीरपुर हिन्दू और ग्राम इलायचीपुर में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई करते हुए करीब 40 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में किए गए निर्माण को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान लगभग 200 भूखंडों की बाउंड्रीवाल, निर्मित सड़कें और अन्य अवैध विकास कार्यों को बुलडोजर चलाकर हटाया गया। जीडीए अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई उपाध्यक्ष के निर्देश पर अवैध निर्माण और अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम-1973 की संबंधित धाराओं के अंतर्गत यह कार्रवाई अमल में लाई गई। प्राधिकरण को सूचना मिली थी कि लोनी क्षेत्र के ग्राम मीरपुर हिन्दू स्थित सैनिक विहार कॉलोनी तथा ग्राम इलायचीपुर में बिना स्वीकृति बड़े स्तर पर कॉलोनी विकसित की जा रही है। जांच के दौरान यह पाया गया कि उक्त क्षेत्र में भूखंडों का अवैध रूप से विभाजन कर बिक्री की तैयारी की जा रही थी। इसके अलावा कॉलोनी को वैध स्वरूप देने के लिए सड़क निर्माण और बाउंड्रीवाल का निर्माण भी कराया गया था। प्राधिकरण ने पहले संबंधित पक्षों को चेतावनी दी थी, लेकिन निर्माण कार्य जारी रहने पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।

वर्षों से सूखा पड़ा कलछीना का रजवाहा, सिंचाई और आवागमन की समस्या से जूझ रहे किसान

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव कलछीना के किसानों और ग्रामीणों ने क्षेत्र के रजवाहे की बदहाल स्थिति को लेकर चिंता जताई है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव से होकर गुजरने वाले रजवाहे में पिछले लगभग 30 वर्षों से सिंचाई के लिए पानी नहीं पहुंच रहा है, जिसके कारण खेती-किसानी पर गंभीर असर पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार सिंचाई की पर्याप्त व्यवस्था न होने से किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए वैकल्पिक साधनों पर निर्भर रहना पड़ता है, जिससे खेती की लागत बढ़ रही है। समय पर पानी नहीं मिलने के कारण कई बार फसलें सूख जाती हैं और किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है।

ग्रामीणों ने यह भी बताया कि रजवाहे की पटरी पूरी तरह जर्जर और खुर्द-बुर्द हो चुकी है। पटरी खराब होने के कारण गांव के लोगों को आवागमन में भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। खेतों तक पहुंचने और दैनिक आवाजाही में ग्रामीणों को परेशानी झेलनी पड़ती है।

ग्रामीणों ने प्रशासन और सिंचाई विभाग से मांग की है कि रजवाहे में जल्द से जल्द पानी की व्यवस्था कराई जाए तथा उसकी पटरी का निर्माण और मरम्मत कराई जाए, ताकि किसानों को सिंचाई की सुविधा मिल सके और ग्रामीणों की आवाजाही सुगम हो सके। इस दौरान सलीम तोमर, राजेश जाटव, मास्टर जावेद त्यौड़ी, मनोज कुमार और राजेश सहित कई ग्रामीण मौके पर मौजूद रहे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे संबंधित अधिकारियों से मिलकर आंदोलन की रणनीति बनाने को मजबूर होंगे।

गाजियाबाद पुलिस का सघन सत्यापन अभियान, इंदिरापुरम और लोनी में संदिग्धों पर कसा शिकंजा

कपिल चौहान

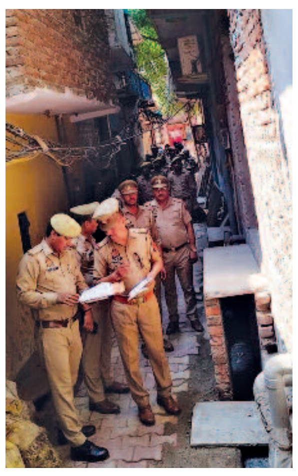

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से गाजियाबाद पुलिस द्वारा इंदिरापुरम और लोनी सर्किल क्षेत्रों में व्यापक सत्यापन एवं सघन सर्च अभियान चलाया गया। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान में वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वयं मोर्चा संभालते हुए संदिग्ध व्यक्तियों की जांच और दस्तावेजों का सत्यापन किया। इंदिरापुरम सर्किल क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था/यातायात) राजकरन नैय्यर तथा पुलिस उपायुक्त नगर/ट्रांस हिंडन जोन धवल जायसवाल के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर संदिग्ध व्यक्तियों का सत्यापन किया।

वहीं लोनी सर्किल क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय/अपराध) केशव कुमार चौधरी एवं पुलिस उपायुक्त ग्रामीण जोन सुरेन्द्रनाथ तिवारी के नेतृत्व में सघन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए लोगों से पूछताछ की और आवश्यक दस्तावेजों की जांच की।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि ऐसे अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे, ताकि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।# पुलिस अधिकारियों के अनुसार इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था मजबूत हुई है और आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना भी बढ़ी है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

खेल मैदान की दुश्मनी बनी जानलेवा: पैरा एथलीट चिराग त्यागी हत्याकांड का पदार्फाश, दो आरोपी दबोचे

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। पैरा एथलीट चिराग त्यागी उर्फ तुषार की हत्या के मामले में थाना कोतवाली नगर पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर सनसनीखेज खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि खेल प्रतियोगिता से उपजी रंजिश और बदले की भावना ने इस खूनी वारदात को जन्म दिया। पुलिस के मुताबिक, 31 मई 2026 को बसंतपुर सैतली निवासी राजेश त्यागी ने थाना कोतवाली नगर में तहरीर देकर बताया कि उनके भतीजे चिराग त्यागी की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तत्काल हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और अन्य तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया। विवेचना में यश खटीक, गगन त्यागी तथा अभय उर्फ अभिनव की संलिप्तता सामने आई। पुलिस के अनुसार तीनों ने मिलकर पूर्व नियोजित साजिश के तहत हत्या की घटना को अंजाम दिया। सोमवार को पुलिस ने यश खटीक और गगन त्यागी को रेलवे रोड बजरिया क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। मामले में आपराधिक षड्यंत्र की धारा भी बढ़ाई गई है। वहीं, फरार चल रहे तीसरे आरोपी अभय उर्फ अभिनव की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है और शेष आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पैरा एथलीट चिराग त्यागी की हत्या का रहस्य पुलिस ने सुलझा लिया है। जांच में सामने आया कि खेल जगत की प्रतिस्पर्धा से शुरू हुई दुश्मनी ने हत्या का रूप ले लिया। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तीसरे आरोपी की तलाश जारी है।

गोविंदपुरम में चोरों का धावा, लाखों के जेवर और नकदी लेकर फरार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शहर में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ताजा मामला गोविंदपुरम क्षेत्र का है, जहां अज्ञात चोरों ने एक मकान को निशाना बनाकर लाखों रुपये मूल्य के जेवरात और नकदी चोरी कर ली। घटना का पता उस समय चला जब सुबह परिवार के सदस्य नींद से जागे और घर के भीतर सामान बिखरा हुआ पाया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार गोविंदपुरम मंडैया निवासी अरुण कुमार ने कविनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि 18 मई की तड़के करीब तीन से चार बजे के बीच अज्ञात चोर उनके घर में दाखिल हो गए। परिवार के सदस्य उस समय गहरी नींद में थे, जिसका फायदा उठाकर बदमाश घर के भीतर पहुंच गए और सीधे स्टोर रूम तक जा पहुंचे। चोरों ने स्टोर रूम में रखे एक बक्से को निशाना बनाया, जिसमें परिवार के कीमती जेवरात और नकदी सुरक्षित रखी गई थी। बदमाश बक्से का ताला तोड़कर उसमें रखे सभी कीमती सामान को समेट ले गए और मौके से फरार हो गए। घटना के दौरान किसी को भनक तक नहीं लगी। पीड़ित परिवार के अनुसार चोरी हुए सामान में सोने की दो अंगूठियां, कानों की एक जोड़ी टॉप्स, लगभग एक किलो चांदी का गले का सेट, दो जोड़ी पायल, पैरों के बिछुए और करीब 15 हजार रुपये नकद शामिल हैं। परिवार का कहना है कि ये जेवर घरेलू उपयोग और पारिवारिक आयोजनों के लिए सुरक्षित रखे गए थे। सुबह जब परिवार के लोग जागे तो स्टोर रूम का दृश्य देखकर उनके होश उड़ गए। कमरे का सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था और बक्सा खुला हुआ मिला। उसमें रखे जेवर और नकदी गायब थे।

जमीनी विवाद के चलते तीन लोगों पर गाली गलौच का आरोप,रिपोर्ट दर्ज

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गांव बेगमाबाद निवासी एक महिला से जमीनी विवाद के चलते गांव के तीन लोगों ने मारपीट कर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं।गांववासी महिला मंजू नेहरा का सौंदा रोड पर 500 वर्ग गज का प्लाट है,उस पर बैनामा दाखिल खारिज हैं। जब वह प्लाट पर नींव भरवाने का कार्य कर रही थी,तभी गांव के ही कुनाल नेहरा ने उस पर अपना हक जताते हुए पुलिस को बुलाकर काम रूकवा दिया। आरोप है कि पुलिस के जाने के बाद कुनाल,सुनील व गोलू ने महिला मंजू के साथ गाली गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली हैं।

अमेठी में एसआईएस इंडिया लिमिटेड का भर्ती शिविर संपन्न, 53 युवाओं का चयन

वेलकम इंडिया संवाददाता

अमेठी। जनपद के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एसआईएस इंडिया लिमिटेड द्वारा सोमवार को विकास खंड गौरीगंज में भर्ती शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 150 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें से निर्धारित शारीरिक एवं शैक्षिक मानकों के आधार पर 53 युवाओं का चयन किया गया। भर्ती अधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने बताया कि कंपनी द्वारा आगामी 2 जून 2026 को विकास खंड गौरीगंज एवं शाहगढ़ में भी भर्ती शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने इच्छुक युवाओं से निर्धारित तिथि पर आवश्यक अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की। डिप्टी कमांडेंट रजनीश कुमार राय एवं भर्ती अधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने बताया कि एसआईएस इंडिया लिमिटेड देश की अग्रणी बहुराष्ट्रीय सुरक्षा सेवा कंपनियों में से एक है, जो भारत सहित विभिन्न देशों में सुरक्षा सेवाएं प्रदान कर रही है। चयनित अभ्यर्थियों को सिविल डिफेंस के अंतर्गत एनडीआरएफ के सहयोग से विशेष प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने बताया कि भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत सुरक्षा सैनिक, सुरक्षा सुपरवाइजर एवं जीटीओ ऑफिसर पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। सुरक्षा सैनिक पद के लिए अभ्यर्थी का हाईस्कूल उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इसके लिए न्यूनतम लंबाई 167.5 सेंटीमीटर, सीना 80 से 85 सेंटीमीटर, आयु 19 से 40 वर्ष तथा वजन 56 से 90 किलोग्राम निर्धारित किया गया है। सुरक्षा सुपरवाइजर पद के लिए अभ्यर्थी का इंटरमीडिएट उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। इस पद हेतु न्यूनतम लंबाई 170 सेंटीमीटर तथा आयु सीमा 19 से 40 वर्ष निर्धारित की गई है। चयनित अभ्यर्थियों से 350 रुपये पंजीकरण शुल्क लिया जाएगा। इसके उपरांत उन्हें जौनपुर स्थित प्रशिक्षण केंद्र में एक माह का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद अभ्यर्थियों की स्थायी तैनाती विभिन्न सरकारी एवं निजी संस्थानों में की जाएगी। कंपनी अधिकारियों के अनुसार चयनित अभ्यर्थियों को वाराणसी, लखनऊ, अयोध्या, दिल्ली, मुंबई, चंडीगढ़, बेंगलुरु, नोएडा एवं गुरुग्राम सहित देश के विभिन्न प्रमुख शहरों में प्रतिष्ठित होटल, अस्पताल, रेलवे, मेट्रो तथा धार्मिक स्थलों पर नियुक्ति का अवसर प्राप्त हो सकता है। नियुक्त कर्मचारियों को भविष्य निधि (पीएफ), कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई), ग्रेच्युटी, पेंशन एवं बीमा जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

मेधावी छात्रों पर सम्मान की बारिश: मंत्री सुनील शर्मा बोले- लक्ष्य पर रखें नजर, सफलता खुद मिलेगी

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद एवं अन्य बोर्डों की वर्ष 2026 की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में सोमवार को विकास भवन स्थित दुर्गावती देवी सभागार में भव्य जनपद स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुनील कुमार शर्मा ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को मेडल, प्रशस्ति पत्र एवं 21-21 हजार रुपये के प्रतीकात्मक चेक प्रदान कर सम्मानित किया।

समारोह के दौरान लखनऊ के लोक भवन में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह का सीधा प्रसारण भी देखा गया, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के 223 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। राज्य स्तरीय टॉपर्स को एक-एक लाख रुपये, टैबलेट, मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। अपने संबोधन में मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों को परिणाम की चिंता किए बिना पूरी निष्ठा, मेहनत और सेवा भाव से अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि समय का सदुपयोग ही सफलता का आधार है और प्रत्येक कार्य को निर्धारित समय पर पूरा करने की आदत विकसित करनी चाहिए। मंत्री ने युवाओं को सोशल मीडिया और मोबाइल के अनावश्यक उपयोग से दूर रहने की सलाह देते हुए कहा कि डिजिटल माध्यमों का उपयोग केवल आवश्यक कार्यों और ज्ञानवर्धन के लिए ही किया जाना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में हाईस्कूल के 11 एवं इंटरमीडिएट के 10 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। वहीं गाजियाबाद के सीबीएसई एवं आईसीएसई बोर्ड के सात राज्य स्तरीय मेधावियों को भी विशेष उपलब्धि के लिए बधाई दी गई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी, विद्यालयों के प्रधानाचार्य, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ऑपरेशन प्रहार: लोनी बॉर्डर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, गांजा-स्मैक तस्करी में दो गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत थाना लोनी बॉर्डर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान नशीले पदार्थों की बिक्री में लिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 1 किलो 860 ग्राम अवैध गांजा, 30 पुड़िया कुल 22 ग्राम स्मैक तथा तस्करी में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। बरामद मादक पदार्थों को पुलिस ने कब्जे में लेकर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग के दौरान दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों से मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त से जुड़े अन्य तथ्यों की जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस का कहना है कि युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने और अवैध मादक पदार्थों के कारोबार को समाप्त करने के लिए आगे भी सघन अभियान जारी रहेगा। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

डीएम साहब ने 3 दिन में दिलाया इंसाफ: भू-माफिया के कब्जे से मुक्त हुआ महिला का मकान, खुशी से छलके आंसू

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जनसुनवाई में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ से लगाई गई एक महिला की फरियाद पर प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जे से उसका मकान मुक्त करा दिया।

न्याय मिलने के बाद पीड़िता की आंखों में खुशी के आंसू आ गए और उसने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं जिलाधिकारी का आभार व्यक्त किया।

विजय नगर क्षेत्र की निवासी श्रीमती चंचल ने 29 मई को जनता दर्शन में शिकायत दर्ज कराई थी कि एक व्यक्ति ने ऋण के नाम पर उसके मकान के मूल दस्तावेज अपने पास रख लिए और बाद में ब्याज की रकम बढ़ाकर मकान पर कब्जा कर लिया। महिला का आरोप था कि बाद में मकान किसी अन्य व्यक्ति को भी सौंप दिया गया।

कई बार शिकायत के बावजूद समाधान नहीं मिलने पर उसने जिलाधिकारी से न्याय की गुहार लगाई।

मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने उपजिलाधिकारी सदर एवं पुलिस अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए। जांच में शिकायत सही पाए जाने के बाद प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए 1 जून को मौके पर पहुंचकर महिला को उसके मकान का कब्जा वापस दिलाया। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप किसी भी गरीब, कमजोर और जरूरतमंद व्यक्ति का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भू-माफियाओं और अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करते हुए उन्हें कानून के दायरे में लाया जाएगा।

न्याय मिलने के बाद भावुक हुई श्रीमती चंचल ने कहा कि उन्होंने प्रशासन की संवेदनशील कार्यशैली के बारे में सुना था, लेकिन आज उसे स्वयं अनुभव किया है। उन्होंने कहा कि समय पर मिली मदद ने शासन-प्रशासन के प्रति उनका विश्वास और मजबूत किया है।

पुलिस एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में संपन्न हुई यह कार्रवाई जिले में भू-माफियाओं के खिलाफ प्रशासन की सख्त नीति और पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने की प्रतिबद्धता का उदाहरण बन गई है।

पुरुषोत्तम मास की पूर्णिमा पर धार्मिक कथा सुनने का है सैंकड़ों गुना अधिक महत्व : वरुण शर्मा

सुमित सोरेन

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। प्राचीन सनातन धर्म मंदिर कौशांबी में पुरुषोत्तम मास की पूर्णिमा के अवसर पर महामंगलकारी शिव-पार्वती विवाह की कथा का आयोजन किया गया। कथा के मुख्य आयोजक कौशांबी निवासी भाजपा कार्यकर्ता वरुण शर्मा ने बताया की किस तरह समय-समय पर वह और उनके साथीगण कौशांबी में ऐसी धार्मिक कथाओं का आयोजन करते रहते हैं। इस बार सौभाग्य से पुरुषोत्तम मास की पूर्णिमा के अवसर पर अयोध्या धाम के प्रसिद्ध कथा वाचक पंडित सुरेन्द्र द्विवेदी जी के श्रीमुख से शिव पार्वती विवाह का अति पुण्यकारी प्रसंग सुनने का अवसर मिला। वरुण शर्मा ने इस बार एक अनूठी पहल करते हुए कथा का तिलक और आरती का शुभारंभ कौशांबी की उपस्थित महिला शक्ति से करवाया। मातृ शक्ति इस सम्मान से बेहद गौरवान्वित हुई। इस अवसर पर सह आयोजक सुमित राय, अनुज शर्मा, उमाशंकर शर्मा, सौम्या राय, शेली शर्मा, मंजू शर्मा, डॉ आचार्य कृति शर्मा सहित बी के मल्होत्रा, रमणीक, मधु गुप्ता, रामबाबू, स्नेह लता, प्रेम गोगिया, अनीता गोगिया, राजरानी गोयल, सांवरमल गोयल, किरण दुआ, सरोज वर्मा , माधुरी राय, पूजा राय, बबीता शर्मा, सिम्मी, मनु, धर्मेंद्र सिंह, निशा अग्रवाल, राजेंद्र गोयल, शैली गुप्ता, अभय गुप्ता, जितेंद्र कुमार सिंह, सुनीता गुप्ता, अशोक गर्ग, रितु गर्ग, अमन गुप्ता, अंशु गुप्ता, स्नेह कंपानी, मंजू कपूर, पवन कुमारी, दीपिका गोयल, कृष्णा , आभास, शाश्वत, रिद्धि गुप्ता, ईवा, सान्वी, हक्षु, दीवा, ऋषभ शर्मा और बड़ी संख्या में कौशाम्बी वासी उपस्थित रहे और आयोजक बंधुओ को आयोजन के लिए आशीर्वाद दिया।

खोड़ा में प्रशासन का डबल एक्शन पीड़ित परिवार को 5 लाख की मदद और 15 दिन में हटाओ अवैध कब्जा वरना चलेगा बुलडोजर

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जनपद प्रशासन ने खोड़ा क्षेत्र में मानवीय सहायता और कानून के सख्त अनुपालन का संतुलित उदाहरण पेश किया है। एक तरफ मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से स्वर्गीय सूर्या चौहान के परिवार को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई, वहीं दूसरी ओर सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे के मामले में कार्रवाई करते हुए संबंधित व्यक्ति को 15 दिन के भीतर कब्जा हटाने का नोटिस जारी किया गया है।

उपजिलाधिकारी सदर अरुण दीक्षित ने मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से स्वीकृत पांच लाख रुपये का चेक स्वर्गीय सूर्या चौहान की माता श्रीमती सरोज पत्नी कौशलेन्द्र सिंह चौहान को सौंपा। प्रशासन ने कहा कि यह सहायता परिवार को कठिन समय में आर्थिक संबल प्रदान करेगी।

इसके साथ ही ग्राम खोड़ा स्थित सरकारी बंजर भूमि पर अवैध कब्जे के मामले में प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। राजस्व अभिलेखों के अनुसार खसरा संख्या-70 की सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति नवाब को उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा-136 के तहत नोटिस जारी कर 15 दिनों के भीतर कब्जा हटाने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासनिक टीम ने नोटिस चस्पा करने के साथ ढोल और लाउडस्पीकर के माध्यम से क्षेत्र में मुनादी भी कराई। चेतावनी दी गई है कि निर्धारित अवधि में कब्जा नहीं हटाने पर प्रशासन स्वयं ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करेगा और उसका पूरा खर्च भी संबंधित व्यक्ति से वसूला जाएगा।

उपजिलाधिकारी अरुण दीक्षित ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पात्र व्यक्तियों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, जबकि सरकारी और सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने का अभियान भी लगातार जारी रहेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि अवैध कब्जे और राजस्व नियमों के उल्लंघन को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

डीएम का औचक निरीक्षण: छोटा हरिद्वार में व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के सख्त निर्देश, श्रद्धालु सुरक्षा पर विशेष जोर

कपिल चौहान

गाजियाबाद/ मुरादनगर। जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने मुरादनगर स्थित गंग नहर (छोटा हरिद्वार) क्षेत्र का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं क्षेत्र के सौंदर्यीकरण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने नगर पालिका परिषद मुरादनगर के अधिकारियों को निर्देशित किया कि गंग नहर क्षेत्र में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा आवश्यक मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराया जाए। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु सार्वजनिक शौचालय एवं महिला स्नानागार के निर्माण, प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा आकर्षक वॉल पेंटिंग एवं लाइटिंग के माध्यम से क्षेत्र के सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

उन्होंने पुलिस विभाग को सख्त निर्देश दिए कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी व्यक्ति असुरक्षित स्थानों से गंगा नहर में स्नान न करे, जिससे किसी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न बने। जिलाधिकारी ने जल पुलिस को भी पर्याप्त संख्या में तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य किया जा सके। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की तथा श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी मोदीनगर, थाना प्रभारी मुरादनगर, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मुरादनगर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सूरजपुर की बदहाल सड़कों पर फूटा जनाक्रोश, किसान कार्यकर्ताओं ने घंटा चौक पर खोला मोर्चा

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर घंटा चौक पर सोमवार को किसान कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने सूरजपुर कस्बे की जर्जर सड़कों, जल निकासी की खराब व्यवस्था और लगातार बनी हुई समस्याओं को लेकर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ जमकर नाराजगी जताई। धरने पर बैठे लोगों का कहना है कि सूरजपुर कस्बे और मुख्य मार्गों की सड़कें लंबे समय से टूटी हुई हैं, जिससे राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय व्यापारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात और सीवर के पानी की उचित निकासी न होने के कारण स्थिति और भी गंभीर हो गई है। कई स्थानों पर जलभराव होने से लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि वे इस समस्या को लेकर कई बार प्राधिकरण अधिकारियों को शिकायत दे चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। लगातार अनदेखी से नाराज किसानों और स्थानीय लोगों ने घंटा चौक पर धरना शुरू कर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया। धरने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति पर नजर बनाए रखी। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर शांति बनाए रखने की अपील की। वहीं, आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सड़क निर्माण और जल निकासी की व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो उनका आंदोलन और तेज किया जाएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि सूरजपुर मार्ग पर गड्ढों और जलभराव के कारण आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। उन्होंने प्राधिकरण से तत्काल समस्या के समाधान की मांग की है।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, पुलिस पर फायरिंग के बाद पैर में लगी गोली

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र में नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने चेकिंग के दौरान पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया, जिसके जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक 30 मई 2026 को पीड़िता के पिता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले सिराज पुत्र हमीद शाह ने करीब तीन माह पूर्व नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया था, जिसके चलते पीड़िता गर्भवती हो गई। घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहा था और पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी।

सोमवार को थाना लोनी बॉर्डर पुलिस सेवाधाम से टीला मोड़ रोड पर चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान स्कूटी सवार एक संदिग्ध युवक को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस का दावा है कि युवक ने रुकने के बजाय पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी और जीडीए ग्राउंड की ओर भागने लगा। पीछा करने पर आरोपी ने दोबारा पुलिस पर गोली चलाई, जिसके बाद आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी फायरिंग की। गोली आरोपी के दाहिने पैर की पिंडली में लगी, जिससे वह घायल हो गया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान सिराज पुत्र हमीद शाह निवासी अमित विहार, 30 फुटा रोड, थाना लोनी बॉर्डर के रूप में हुई है।